सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 110 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 01 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आम बजट- 2026

देश में चलेंगी हाईस्पीड ट्रेनें, आम बजट में वित्तमंत्री का एलान.. बनेंगे सात हाई स्पीड रेलवे कॉरिडोर

नईदिल्ली। संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नौवां बजट पेश किया। देश के संसदीय इतिहास में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट नए रिकॉर्ड की तरह भी दर्ज हो गया क्योंकि पहली बार रविवार को वित्त मंत्री ने बजट भाषण दिया। उनका बजट भाषण 85 मिनट का रहा। सीतारमण ने कहा कि 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर और 3 आयुर्वेदिक एम्स बनाए जाएंगे। वहीं, वित्त मंत्री ने साफकिया कि कैंसर की 17 दवाइयों पर कस्टम ड्यूटी नहीं लगेगी। वित्तमंत्री ने शिक्षा, रोजगार, बुनियादी ढांचा विकास, रेलवे कॉरिडोर और विदेश में सस्ती शिक्षा जैसे कई बड़े एलान किए गए। वित्त मंत्री ने इसके अलावा भी कई बड़े एलान किए।

निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण की शुरुआत करते हुए कहा, 'माघ पूर्णिमा और गुरु रविदास की जयंती के अवसर पर मैं यह बजट पेश कर रही हूं। बीते 12 साल के दौरान अनिश्चितताओं के बावजूद हमने स्थिर अर्थव्यवस्था को बनाए रखा है। हमने दूरगामी ढांचागत सुधार किए हैं। आत्मनिर्भरता को प्रमुख उद्देश्य बनाए रखा है। आयात पर निर्भरता को घटाया है। हमने सुनिश्चित किया है कि नागरिकों को इसका लाभ मिले, कृषि उत्पादकता बढ़े और परिवारों की क्रय शक्ति बढ़े। इन उपायों की वजहों से सात फीसदी की विकास दर हासिल हुई है। इससे गरीबी उन्मूलन और लोगों के जीवन में सुधार हासिल हो सका है।'

वित्त मंत्री ने कहा- हम ऐसी बाहरी परिस्थिति का सामना कर रहे हैं जहां व्यापार और बहुपक्षवाद खतरे में है। नई प्रौद्योगिकी उत्पादन प्रणालियों को बदल रही है। भारत विकसित भारत की ओर विश्वास से भरे कदम उठाता रहेगा। भारत को वैश्विक बाजारों से एकीकृत होकर अधिक से अधिक निर्यात करना होगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में लोगों का साथ खड़े रहने के लिए आभार। हमारा लक्ष्य विकास का लाभ सभी वंचित वर्गों और महिलाओं तक सुनिश्चित करना है।

युवा शक्ति से प्रेरित बजट : वित्तमंत्री

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा- सरकार 'विकसित भारत' की दिशा में मजबूत कदम उठाना जारी रखेगा। भारत वैश्विक बाजार के साथ गहनता से जुड़ा रहेगा। मैं पार्ट-ए की शुरुआत करते हुए इस देश के नागरिकों का आभार प्रकट करना चाहूंगा, जिन्होंने इस देश को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाया है। हमने सुनिश्चित किया है कि किसानों, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों को लाभ मिलता रहे। यह युवा शक्ति से प्रेरित बजट है।

वित्तीय समायोजन और बजट अनुमान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय वर्ष 2014-15 में 2 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 11.2 लाख करोड़ के आवंटन तक पहुंच गया है। वर्ष 2026-27 में इस गति को बनाए रखने के लिए मैं इसे बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखती हूं। अवसंरचना विकास और निर्माण चरण के दौरान जोखिमों को लेकर निजी डेवलपर्स का विश्वास मजबूत करने के लिए, मैं एक इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड स्थापित करने का प्रस्ताव रखती हूं, जो ऋणदाताओं को आंशिक क्रेडिट गारंटी प्रदान करेगा। वहीं 2026-27 में ऋण-से-जीडीपी औसत, जीडीपी का 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में 56.1 प्रतिशत था। जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहेगा राजकोषीय घाटा, बजट 2026-27 का अनुमान। यह वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था 2026-27 में 36.5 लाख करोड़ गैर-ऋण प्राप्तियों का बजट में अनुमान है।

रिफॉर्म के लिए सरकार ने कई कदम उठाए

बायो फार्मा शक्ति : इसमें ज्ञान, टेक्नोलॉजी और नवाचार के जरिए विकास होगा। किफायती दवाओं पर ध्यान दिया जाएगा। भारत को वैश्विक बायो फार्मा हब बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। इस पर अगले पांच साल में 10 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। बायो फार्मा के तीन नए राष्ट्रीय संस्थान बनेंगे। सात मौजूदा संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा। सेंट्रल ड्रग कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को अपग्रेड किया जाएगा।

सेमी कंडक्टर मिशन : इसमें उद्योग आधारित प्रशिक्षण केंद्रों पर ध्यान दिय जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरिंग स्कीम के तहत लक्ष्य से दोगुना हासिल किया जा चुका है। इसमें 40 हजार करोड़ रुपये के खर्च का प्रस्ताव रखा जा रहा है।

रेयर अर्थ : ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरिडोर बनेंगे ताकि वहां पर खनन और शोध हो सके। इससे आयात निर्भरता घटेगी।

आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए प्रस्ताव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए छह क्षेत्रों में पहलों का प्रस्ताव है। आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए सात क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव। रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। चैंपियन एमएसएमई का निर्माण करना। अवसंरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना।

शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करने का लक्ष्य

मजबूत कैपिटल गुड्स : हाईटेक टूल रूम बनाए जाएंगे। उपकरणों के देश में विनिर्माण पर जोर दिया जाएगा। मल्टीस्टोरी लिफ्ट और मल्टीप्लेक्स में फायर फाइटिंग उपकरणों जैसे उत्पादन में मदद मिलेंगे। कंटेनर विनिर्माण पर भी जोर दिया जाएगा और इस पर पांच साल में 10 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

टेक्सटाइल : राष्ट्रीय फाइबर योजना के तहत रेशम और जूट पर जोर दिया जाएगा। साथ ही रोजगार बढ़ाने के प्रयास होंगे। हैंडलूम मिशन के जरिए भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। समर्थ-2.0 के जरिए इस क्षेत्र को बढ़ावा दिया जाएगा। मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल शुरू होगी। इसके जरिए खादी, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट पर जोर दिया जाएगा।

चैम्पियन एमएसएमई : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 10 हजार करोड़ की विकास निधि का प्रस्ताव रहेगा। आत्मनिर्भर भारत निधि में दो हजार करोड़ रुपये के टॉप-अप का प्रस्ताव रहेगा। तरलता बढ़ाने के लिए लेनदेन निपटान प्लेटफॉर्म बनेगा। क्रेडिट गारंटी सपोर्ट दिया जाएगा।

कॉर्पोरेट मित्र : टियर-टू और टियर-3 कस्बों में कॉर्पोरेट मित्र बनाए जाएंगे। इससे पेशेवर संस्थानों को सुविधा मिलेगी। पांच लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-टू और टियर-3 में विकास पर ध्यान दिया जाएगा। आंशिक लोन गारंटी के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर जोखिम गारंटी निधि स्थापित होगी।

बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार

शिक्षा से रोजगार और उद्यम पर फोकस किया जाएगा। विकसित भारत का कोर ड्राइवर सेवा क्षेत्र रहेगा। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाएगी, जो द्व समेत प्रौद्योगिकियों से पड़ने वाले असर का आकलन करेगी। दक्षता आधारित रोजगार पर ध्यान दिया जाएगा। स्वास्थ्य पेशेवर बनाने वाले संस्थानों को अपग्रेड किया जाएगा। रेडियोलॉजी, एनेस्थीशिया जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाएगा। अगले पांच वर्ष में एक लाख AHP जोड़े जाएंगे। 1.5 लाख केयर गिवर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय मेडिकल हब बनाए जाएंगे। इसमें निजी क्षेत्र की सहभागिता रहेगी। हेल्थकेयर कॉम्प्लेक्स बनेंगे। इनमें आयुष केंद्र होंगे। डायग्नोस्टिक, पोस्टर केयर और रीहैब के केंद्र रहेंगे। इससे स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। दुनियाभर में सम्मान हासिल कर चुकी प्राचीन योग पद्धति और आयुर्वेद पर जोर दिया जाएगा। तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेदिक संस्थान बनाए जाएंगे।

पांच वर्ष में 20 नए जल मार्ग और सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का एलान

अपने बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि पांच वर्ष में 20 नए जल मार्ग शुरू होंगे। वाराणसी और पटना में जहाज मरम्मत सुविधा स्थापित होगी। समुद्री विमान वीजीएफ योजना की शुरुआत होगी। वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान एलान किया कि देश में सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें मुंबई पुणे, पुणे हैदराबाद, हैदराबाद बंगलूरू, हैदराबाद चेन्नई, चेन्नई बंगलूरू, दिल्ली वाराणसी और वाराणसी सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर शामिल है।

यह सामान हुए सस्ते

- लेदर
- कपड़ा
- सिंथेटिक फुवियर
- विदेश यात्रा
- कैंसर की 17 दवाएं
- माइक्रोवेव ओवन
- जूते
- एयरक्राफ्ट निर्माण सामग्री
- ईवी बैटरी
- शुगर की दवाएं
- चमड़े और कपड़े का निर्यात
- बायोगैस मिक्स्ड
- सोलर ग्लास
- मिक्स्ड गैस सीएनजी
- विमानों का ईंधन

यह सामान महंगे

मिनरल्स, स्क्रैप, शराब व वायदा कारोबार करना।

वित्त मंत्री ने बताए सरकार के तीन कर्तव्य

वित्त मंत्री ने अपने भाषण में कहा कि कर्तव्य भवन में तैयार होने वाला यह पहला बजट है। हमारे तीन कर्तव्य हैं। हमारा पहला कर्तव्य है- उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाते हुए तथा उथल-पुथल भरी वैश्विक स्थिति के प्रति सहनीयता का निर्माण करके आर्थिक वृद्धि को तेज करना तथा इसे बनाए रखना। दूसरा कर्तव्य है- लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और उनके क्षमता का निर्माण करना; भारत की समृद्धि के मार्ग में उन्हें मजबूत भागीदार बनाना। तीसरा कर्तव्य सबका साथ-सबका विकास के विज़न से जुड़ा है। यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र के पास संसाधनों, सुविधाओं तथा सार्थक भागीदारी के लिए अवसरों तक पहुंच की सुविधा हो। वित्त मंत्री ने आगे कहा- इस त्रि-आयामी दृष्टिकोण के लिए सहायक परिवेश की आवश्यकता है। हमारी पहली आवश्यकता ढाचांगत सुधारों की गति को अनुकूल और प्रगतिशील बनाए रखना है।

कपड़ा उद्योग के लिए बजट में घोषणाएं

बजट में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने कपड़ा उद्योग को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं की। रेशम ऊन और जूट से जुड़े फाइबरों में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना लाई जाएगी। पारंपरिक क्लस्टरों के आधुनिकीकर के लिए वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना आएगी। बुनकरों और कारीगरों की मदद के लिए राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रम लाए जाएंगे। वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी और परिधाओं को बढ़ावा देने के लिए टैक्स-इको पहल। वस्त्र कौशल परिवेश के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए समर्थ 2.0 का एलान। मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल शुरू करने का प्रस्ताव। हथकरघा उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमोट करने की जरूरत। यह प्रशिक्षण कौशल और उत्पादन गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा। योजना से एक जिला-एक उत्पाद पहल और ग्रामीण युवाओं को लाभ मिलेगा।

पर्यटन के लिए घोषणाएं

वित्त मंत्री ने अपने भाषण में बताया कि बजट में पर्यटन, वर्ल्ड ट्रैकिंग एंड हाइकिंग और खेल के लिए क्या-क्या योजनाएं हैं। इसके तहत नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की स्थापना होगी। 20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर 10 हजार गाइड्स के कौशल बढ़ाने की योजना शुरू होगी। नेशनल डेस्टिनेशन डिजिटल नॉलेज ग्रिड स्थापित होगी। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू कश्मीर, अराक्कू घाटी में माउंटेन ट्रेल्स बनेंगे। ओडिशा, कर्नाटक, केरल में टर्टल ट्रेल्स बनेंगे। धोलावीरा जैसे 15 पुरातात्विक स्थलों को सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा।

इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए एलान

अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री ने बताया कि इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए क्या योजनाएं बनाई गई हैं। उन्होंने कहा- पिछले दशक में सरकार ने इन्फा निवेश पर काफी ध्यान दिया। वहीं पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इन्फ्रा और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर जारी रहेगा। इसके लिए- 2026-27 में पूंजीगत खर्च को 12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव। आंशिक लोन गारंटी के लिए इन्फ्रा जोखिम गारंटी निधि स्थापित होगी। समर्पित आरईआईटी से रियल एस्टेट परिसंपत्तियों की रिसाइक्लिंग में तेजी का प्रस्ताव। कार्गो के पर्यावरण अनुकूल आवागमन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रस्ताव लाए जाएंगे।

खेल क्षेत्र के लिए बजट में एलान

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के दौरान खेल क्षेत्र के लिए कई एलान किए हैं। उन्होंने बताया कि अगले दशक में खेलों में बदलाव के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू होगा। इसके साथ ही खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के अलावा खेल तकनीक को बढ़ावा देने पर भी जोर रहेगा। वित्त मंत्री ने बताया कि इसके अलावा प्रशिक्षण और खेल इन्फ्रा को विकसित करने पर जोर रहेगा।

बैंकिंग सेक्टर के लिए एलान

वित्तमंत्री ने कहा- बैंकिंग क्षेत्र में सुधार-आधारित विकास जारी रहेगा। इसके साथ ही विकसित भारत के लिए बैंकिंग पर उच्च-स्तरीय समिति के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। उन्होंने कहा विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमावली की व्यापक समीक्षा होगी। इसके साथ ही कॉरपोरेट बॉन्ड क्षेत्र में निधियों और डेरिवेटिव्स के लिए अवसरों पर जोर दिया जाएगा और कॉरपोरेट बॉन्ड्स पर पूर्ण रिटर्न स्वैप शुरू करने का प्रस्ताव है।

किसानों-पशुपालकों और ग्रामीणों के लिए बजट में यह ऐलान

- छोटे और सीमांत किसानों की आय में इजाफा लाने पर जोर।
- तमाम मौकों के जरिए दिव्यांगों के सशक्तीकरण पर फोकस।
- मत्स्य पालन के लिए 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास किया जाएगा।
- तटीय क्षेत्रों में फिशरीज वैल्यू चेन मजबूत की जाएंगी।
- स्टार्टअप और महिलाओं की अगुवाई वाले समूह बाजार से जुड़ेंगे।
- पशुपालन क्षेत्र के लिए लोन-आधारित सब्सिडी कार्यक्रम शुरू होंगे।
- पुशधन उद्यमों का संवर्धन और आधुनिकीकरण होगा। पशुधन किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा दिया जाएगा।
- तटीय इलाकों में नारियल, चंदन, काजू जैसी फसलों को सहायता दी जाएगी।
- नारियल उत्पादन में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नारियल संवर्धन योजना लाई जाएगी।
- भारतीय काजू और कोको के लिए समर्पित कार्यक्रम लाए जाएंगे। इन्हें वैश्विक ब्रांड बनाने का काम किया जाएगा।
- भारतीय चंदन लकड़ी की गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए राज्यों से सहयोग किया जाएगा।
- अखरोट, बादाम की पैदावार बढ़ाने के लिए भी विशेष कार्यक्रम शुरू होगा।
- एआई टूल- भारत-विस्टा कार्यक्रम की शुरुआत होगी। यह बहुभाषी एआई टूल किसानों को बेहतर फैसले लेने में मदद करेगा, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी।

संपादकीय

डिजिटल नशा

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है।

> सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है।

सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है।

इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

जीडीपी वृद्धि की प्रत्येक इकाई अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रदूषण और पर्यावरणीय गिरावट का कारण भी बन रही है। इसलिए, भारत उस शहरी-औद्योगीकरण विकास मॉडल का पालन जारी रखना गवारा नहीं कर सकता, जिसने वैश्विक पर्यावरण और असमानता संकट पैदा किए हैं।

श्रमिक-किसान कल्याण हो जीडीपी का पैमाना

अरुण मायरा

भारत के नीति-निर्माता दुविधा में हैं। उनका कहना है कि कृषि क्षेत्र में जरूरत से बहुत ज़्यादा लोग काम कर रहे हैं। उनके अनुसार, भारत के कृषि क्षेत्र की उत्पादकता, जिसको इसमें कार्यरत लोगों की संख्या के हिसाब से मापा जाता है, वह बहुत कम है। उनका मानना है कि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को ग्रामीण इलाकों एवं खेतों से और लघु, 'अनौपचारिक' कारखानों और सेवा उद्यमों से भी निकालकर शहरों में लाया जाए ताकि उन्हें बड़े, 'औपचारिक' कारखानों एवं सेवा उद्यमों में काम पर लगाया जा सके।

समस्या यह है कि बड़े औपचारिक उद्यम पर्याप्त सुरक्षित नौकरियां और अच्छा वेतन नहीं दे रहे हैं। वे ज़्यादा लोगों को काम पर रखने, उन्हें अधिक तनख्वाह और सामाजिक सुरक्षा देने को तैयार नहीं हैं। इसकी बजाय, वे वेतन की लागत कम रखने के लिए अधिक 'लचीले' श्रम कानूनों की मांग कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्या यह है कि सभी क्षेत्रों मसलन, विनिर्माण, सेवाएं और कृषि में नियोक्ता अपना उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए इंसानों के बजाय ज़्यादा मशीनरी और ज़्यादा तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था को जिस मुख्य सुधार की ज़रूरत है, वह है व्यावसायिक उद्यम के ढर्रे और प्रचालन में सुधार। मज़दूर, चाहे वे खेतों में हों या कारखानों में, वे जिस उद्यमों में काम करते हैं उनके मालिकों की सोच होती है, उनके काम से हुआ मुनाफा, उनका ही रहे और उनकी संपत्ति में इजाफा करे, न कि यह लाभ किसी वित्तीय निवेशक की संपत्ति बढ़ाने के काम आए। उत्पादन प्रक्रिया के लिए आवश्यक पूंजीगत संपत्ति जैसे कि विनिर्माण उद्यम में मशीनें और खेती के लिए ज़मीन, उद्यम में काम करने वाले मज़दूरों की होनी चाहिए। मज़दूर अपने मालिक खुद हों और उन्हें स्टॉक मार्केट निवेशकों और सामंती ज़मींदारों की मल्कियत वाले कारखानों और खेतों में कर्मचारी बनने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। अपने काम से होने वाले मुनाफ़े का इस्तेमाल वह कैसे करेंगे, यह चुनने का अधिकार उन्हें होना चाहिए। अब चाहे तो अपने उद्यम में और अधिक निवेश करें या अपने परिवार के कल्याण और अपने बच्चों की शिक्षा पर लगाएं।

जैसा कि माइक बर्ड ने अपनी किताब 'द लैंड ट्रैप : ए न्यू हिस्ट्री ऑफ़द वर्ल्ड्स ओल्डेस्ट एसेट' नामक पुस्तक में बताया है कि भू-स्वामित्व में सुधार, जिसके तहत ज़मीनें ज़मींदारों से लेकर उनके खेतों में काम करने वाले मज़दूरों को हस्तांतरित की गईं, उसकी बदौलत पिछले 50 सालों में जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और चीन में छोटे किसानों की आय भारत की तुलना में कहीं ज़्यादा तेज़ी से बढ़ी। बर्ड व्याख्या करते हैं कि भारत की तुलना में अन्य देशों में सुधार तेज़ी से क्यों हुए। सभी देशों में निहित स्वार्थ सुधारों के रास्ते में आड़े आते हैं। हालांकि, उन देशों के नेताओं ने किसान-मज़दूरों के अधिकारों का समर्थन किया, न कि पूंजीपति-मालिकों का। सुधारों से छोटे किसानों की कमाई और संपत्ति बढ़ी, और उन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा में ज़्यादा निवेश किया। गौरतलब है कि लोगों को खेती से हटाए बिना भी, कृषि-उत्पादन और कृषि उत्पादकता बढ़ी है।

अर्थशास्त्रियों और व्यापार करने वालों को उद्यमों में 'पैमाने' पर फिर से सोचना चाहिए। एक मानकीकृत वस्तु का बड़े पैमाने पर उत्पादन, चाहे यह फैक्टरी

उत्पादन बढ़ाने में सहायक कोई प्रक्रिया हो या बड़े खेत में एक ही फसल उगाना, बड़ी मशीनों का उपयोग और दोहराव वाले कामों को करने के लिए कम कुशल श्रमिकों को रोज़गार देकर अपनी आर्थिक दक्षता बढ़ाता है। बड़े पैमाने के उद्यमी मशीनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पूंजी लगाने की हैसियत रखते हैं। इस तरह, उन्हें कम श्रमिक और बुद्धि की ज़रूरत पड़ती है। ऐसा करके जहां उनकी दक्षता और उत्पादन मात्रा बढ़ सकती है, और उत्पादकता भी। ऐसे उद्यम कम श्रमिकों को नौकरी पर रखते हैं। वे अर्थव्यवस्था के 'रोजगार रहित' सकल घरेलू उत्पाद बढ़ोतरी से योगदान करते हैं।

छोटे खेत जो जैविक तरीके से उन्नत किस्म की फसलें उगाते हैं, उन खेतों में उत्पादन की 'संभावना' ज़्यादा होती है। कचरा खेत में अपने आप उपयोगी अवयव बन जाता है, खासकर उन खेतों में जहां पर जानवर भी रखे होते हैं। ज़्यादा संभावना वाले खेत स्वाभाविक रूप से अधिक टिकाऊ होते हैं। ऐसे छोटे खेतों में, जिनका पैमाना कम किंतु संभावना अधिक हो, सामग्री और ऊर्जा अपने भीतर और ऐसे छोटे खेतों के आसपास ही घूमती रहती है।

पर्यावरण वैज्ञानिक वैक्लाव स्मिल ने आधुनिक उद्योगों, खाद्य उत्पादन और वितरण प्रणालियों, और वैश्विक परिवहन प्रणालियों में हाइड्रोकार्बन ऊर्जा और अन्य गैर-नवीकरणीय अवयवों की सकल व्यवस्थात्मक ज़रूरतों की गणना की है। अपनी किताब, हाउ द वर्ल्ड रियली वर्क्स में, वह समझाते हैं कि आधुनिक एवं सघन तकनीकी विधि से बड़े पैमाने का खाद्य उत्पादन और वितरण प्रणाली मिट्टी, पानी और वातावरण का सबसे बड़ा प्रदूषक है। वह यह भी समझाते हैं कि ज़्यादा संभावना वाले छोटे पैमाने के खेत पर्यावरणीय स्थिरता के लिए सबसे उपयुक्त वैज्ञानिक उपाय हैं।

वह बताते हैं कि समस्या यह है कि इस किस्म के समाधान में ज़्यादा लोगों को ग्रामीण इलाकों में बने रहने और काम करने, और छोटे कृषि, विनिर्माण और सेवा उद्यमों में शामिल होने की ज़रूरत होगी। इसके लिए चक्र उल्टा घुमाकर लोगों को शहरी, औपचारिक उद्यमों से निकालकर ग्रामीण, अनौपचारिक उद्यमों की ओर ले जाने की ज़रूरत पड़ेगी। विकसित देशों के नागरिक इसे स्वीकार नहीं करेंगे। भारत को अन्य देशों जितनी समस्या नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यहां पहले से ही सबसे ज़्यादा आबादी ग्रामीण इलाकों में है और काम करती हैं।

सकल घरेलू उत्पाद की उच्चतर बढ़ोतरी से भारत के एक अरब से अधिक नागरिकों की भलाई-स्तर में सुधार नहीं होगा। पिछले 25 सालों से, भारतीय अर्थव्यवस्था ने अन्य बड़े देशों की तुलना में सकल घरेलू उत्पाद की प्रत्येक इकाई में वृद्धि होने के बावजूद कम रोज़गार पैदा किया है। हमारे पास दुनिया में युवाओं की सबसे बड़ी आबादी है, जो अच्छी कमाई वाले रोजगार की तलाश में हैं।

विकास के मौजूदा ढर्रे के साथ, पर्याप्त रोज़गार पैदा करने के वास्ते अगले कुछ सालों तक भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 12 प्रतिशत सालाना होनी चाहिए। जीडीपी वृद्धि की प्रत्येक इकाई अन्य देशों की तुलना में अधिक प्रदूषण और पर्यावरणीय गिरावट का कारण भी बन रही है। इसलिए, भारत उस शहरी-औद्योगीकरण विकास मॉडल का पालन जारी रखना गवारा नहीं कर सकता, जिसने वैश्विक पर्यावरण और असमानता संकट पैदा किए हैं। हमारे देश को रहने लायक और टिकाऊ 'विकसित भारत' बनने के लिए विकास का नमूना बदलना होगा। जीडीपी पायदान पर अन्य देशों से ऊपर रहने का लक्ष्य रखने की बजाय, भारत के आर्थिक सुधारकों को आर्थिक विकास की प्रक्रिया में ही सुधार करना चाहिए।

हमें अपना रास्ता खोजना होगा; एक अधिक समावेशी और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ रास्ता; अपने देश को बनाने और अपनी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने का एक अधिक 'पारिवारिक' एवं 'सामुदायिक' तरीका —एक ज़्यादा 'गांधीवादी तरीका'— वह जो देश निर्माण करे और सभी नागरिकों को पूर्ण स्वराज (संपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक आज़ादी) दे सके।

लेखक योजना आयोग के पूर्व सदस्य हैं।

अदालती चौखट पर नूरा-कुश्ती की हकीकत

डॉ. सुधीर कुमार

जब दो पक्ष हाथ मिलाकर अदालत के सामने दिखावटी लड़ाई करते हैं, तो उसे 'कलूसिव सूट' कहते हैं। इसे 'साजिशी मुकदमा' कहना सटीक होगा।

न्यायपालिका वह पवित्र स्थान है जहां सत्य की प्रतिष्ठा होती है, लेकिन आज 'कलूसिव सूट' (साजिशी मुकदमों) के जरिए इस मंदिर की गरिमा को चुनौती दी जा रही है। यह कानूनी जगत का वह अंधेरा कोना है जहां वादी और प्रतिवादी विरोधी होने का मात्र ढोंग करते हैं, जबकि हकीकत में वे एक ही 'साजिशी पटकथा' के किरदार होते हैं। जब न्याय की गुहार लगाने वाला और उसका विरोध करने वाला, दोनों ही परदे के पीछे एक हो जाएं, तो अदालत का कठघरा केवल एक रंगमंच बनकर रह जाता है। न्याय की बुनियादी अवधारणा को ठेस पहुंचती है। ऐसी कृत्रिम लड़ाइयां न केवल न्यायिक समय की बर्बादी हैं, बल्कि उन वास्तविक शोषितों का हक भी मारती हैं जो न्याय की कतार में अंतिम पायदान पर खड़े हैं।

सरल शब्दों में कहें तो जब दो पक्ष आपस में हाथ मिलाकर अदालत के सामने 'नूरा-कुश्ती' (दिखावटी लड़ाई) करते हैं, तो उसे कानून में 'कलूसिव सूट' कहा जाता है। आम बोलचाल में इसे 'साजिशी मुकदमा' कहना ज्यादा सटीक होगा। यह एक ऐसा कृत्रिम विवाद है जहां दोनों पक्ष वास्तव में एक-दूसरे के विरोधी नहीं होते और उनके बीच कोई वास्तविक कानूनी संघर्ष नहीं होता। वे अदालत की चौखट पर सिर्फइसलिए पेश होते हैं ताकि आपसी साजिश के जरिए एक ऐसी 'डिक्री' या सरकारी आदेश हासिल कर सकें, जिसे वे ईमानदारी के रास्ते से कभी प्राप्त नहीं कर सकते थे।

हमारी भारतीय न्याय प्रणाली 'प्रतिद्वंद्वी पद्धति' पर आधारित है, जिसका मूल सिद्धांत ही यह है कि जब दो विरोधी पक्ष पूरी शिद्दत से अपनी बात और दलीलें रखेंगे, तभी सत्य छनकर बाहर आएगा। लेकिन जब विरोध ही दिखावटी हो और दोनों पक्ष 'मेज के नीचे' हाथ मिला चुके हों, तो अदालत महज एक मूकदर्शक बनकर रह जाती है। निस्संदेह, यह उस पवित्र तंत्र की तौहीन भी है जिसे समाज में न्याय की रक्षा के लिए बनाया गया है।

कानून की नजर में 'मिलीभगत' के लिए कोई सहानुभूति नहीं है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 40 स्पष्ट रूप से प्रावधान करती है कि यदि कोई

फैसला, आदेश या डिक्री 'धोखे' या 'मिलीभगत' से प्राप्त की गई है, तो उसे किसी भी समय चुनौती दी जा सकती है। यह धारा एक सुरक्षा कवच है। इसके अलावा, नागरिक प्रक्रिया संहिता के तहत अदालतों को यह अंतर्निहित शक्ति प्राप्त है कि वे ऐसे मुकदमों को पहचानते ही खारिज कर दें। कानून का एक वैश्विक सिद्धांत है- धोखे से कभी भी कोई कानूनी अधिकार पैदा नहीं हो सकता।

भारतीय न्यायपालिका ने हमेशा से इन साजिशी मुकदमों के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया है। इस दिशा में 'नगुबाई अम्मल बनाम बी. शमा राव' (1956) का फैसला एक नजीर है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 'साजिश' और 'धोखे' के बीच के महीन अंतर को स्पष्ट किया। अदालत के अनुसार, 'फ्रॉड' में एक पक्ष दूसरे को छलता है, किंतु 'कलूज़न' में दोनों पक्ष मिलकर अदालत के साथ छल करते हैं। जब वादी और प्रतिवादी के बीच कोई वास्तविक विवाद न हो और उनका एकमात्र उद्देश्य न्याय की आड़ में किसी तीसरे पक्ष का हक मारना हो, तो वह पूरी तरह 'साजिश' है। इसी प्रकार, 'रूपचंद गुप्ता बनाम रघुवंश कुमार' (1964) में अदालत ने आगाह किया कि यदि डिक्री का उद्देश्य किसी किराएदार या हकदार का अधिकार मारना है, तो वह डिक्री बातिल (शून्य) होगी। इन फैसलों से स्पष्ट है कि न्याय के सिंहासन पर बैठी अदालतें केवल कागजी सबूतों को नहीं तौलतीं, बल्कि मुकदमों के पीछे छिपी बदनियती को पहचानने की कुव्वत भी रखती हैं।

एक वकील के लिए उसका पेशा केवल जीविका नहीं, बल्कि एक पवित्र जिम्मेदारी है। वकीलों को यह समझना होगा कि वे 'ऑफिसर ऑफ़द कोर्ट' हैं, न कि किसी साजिश के पटकथा लेखक। यदि कोई अधिवक्ता जानते हुए भी ऐसे फर्जी मुकदमों का हिस्सा बनता है, तो बार काउंसिल को ऐसे सदस्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस खतरे को टालने के लिए सजग 'न्यायिक सक्रियता' अनिवार्य है। न्यायपालिका की वास्तविक ताकत उसकी पारदर्शिता और सत्य के प्रति अडिग निष्ठा में निहित है। हमें एक ऐसी न्यायिक संस्कृति विकसित करनी होगी जहां चालाकी की जगह सच्चाई का बोलबाला हो। जैसा कि कहा गया है, 'न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए'। जब हम इन साजिशी मुकदमों का पर्दाफाश करेंगे, तभी हम एक पारदर्शी-मजबूत न्याय प्रणाली का निर्माण कर पाएंगे।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

पैसा और त्याग कभी बराबरी से नहीं तौले जा सकते

एन. रघुरामन

कई साल पहले मैंने अपने माता-पिता का फ्लैट अपनी बहन को देने का फैसला किया था। जब इस पर सवाल उठे, तो मैंने कहा यह इस बात की ईमानदार स्वीकृति थी कि पिता के गंभीर बीमार होने पर बहन ने ही उनकी देखभाल की थी।

अधिकांश परिवारों की तरह हमारे परिवार में भी दो तरह के सिबलिंग्स थे- एक 'सैटेलाइट चाइल्ड' यानी मैं- सफल, दूर रहने वाला, पैसे भेजने वाला। और दूसरी 'केन चाइल्ड' यानी मेरी बहन- जो पिता को कई बार अस्पताल ले गईं और अंत तक उनकी देखभाल करती रहीं। उसी दौरान उसकी सेहत भी बिगड़ी, जिसकी परेशानियां आज तक बनी हुई हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में मुझे अपने जीवन का यह छोटा-सा हिस्सा फिर याद आ गया, जब मुझे मुंबई के एक ऐसे अस्पताल जाना पड़ा, जहां मेरे परिवार के एक सदस्य भर्ती थे। पास के कमरे में एक अन्य महिला भर्ती थीं और उनका बेटा उनकी देखभाल कर रहा था। बगल के कमरे में बैठे-बैठे मैं उस बेटे और विदेश में रहने वाले उसके बड़े भाई की बातचीत सुन सकता था।

छोटे बेटे और मां की बातचीत से मुझे समझ आ रहा था कि पैसे बड़ा भाई भेज रहा था और मां की रोजमर्रा की जरूरतों की जिम्मेदारी छोटा भाई निभा रहा था। एक बार छोटे भाई ने गुस्से में फोन पर कहा कि हर बात पर यह मत जताया करो कि तुमने इसके लिए पैसे भेजे, उसके लिए पैसे भेजे। जैसे ही उसकी नजर मुझ पर पड़ी, वह फोन लेकर बाहर चला गया। जो मुझे समझ आया, वो यह था कि बड़ा बेटा विदेश में था और शायद सोच रहा था कि मेरी वजह से बिल चुकाए जा रहे हैं; मेरी वजह से मां ठीक से खा रही हैं और उनकी देखभाल हो रही है; मेरी वजह से चीजें 'हैंडल' की जा रही हैं।

वहीं छोटा बेटा अलग-अलग बातचीत में यह बताते हुए सुना गया कि उसकी मां भूल जाती हैं कि अस्पतालों में कई बार उनके भर्ती रहने के दौरान वही हर समय मौजूद रहा था, लेकिन उन्हें हमेशा याद रहता है कि बड़ा बेटा उनकी देखभाल के लिए पैसे भेजता है। एक बार उन्होंने उसे काट भी लिया था, लेकिन वह उन्हें छोड़ नहीं सकता था, क्योंकि उनकी देखभाल करने वाला कोई और नहीं था। इस हफ्ते जब मैं एक रात वहां गया तो मैंने सुना कि छोटा भाई फूट पड़ा और ऊंची आवाज में बोला- भाई, मैं तुम्हारा शुक्रगुजार हूं, क्योंकि तुम्हारे पैसों की वजह से मैं मां को सबसे अच्छा इलाज दिला पा रहा हूं। लेकिन तुम पैसा भेजकर चैन की नींद सो जाते हो, जबकि मैं बीते चार सालों में एक भी रात ठीक से नहीं सो पाया हूं।

तुम्हारे पैसे सुबह तीन बजे उनकी चादरें साफ नहीं कर पाते, मैं करता हूं। जैसे ही उसने मुझे बाहर आते देखा, वह अचानक रुक गया। मैं उसे खुलकर बोलने देने के लिए वापस अंदर चला गया। उसने बोलना जारी रखा- भाई, शायद तुम्हें पता भी नहीं कि उन्हें नहलाते समय उठाते हुए मेरी कमर में चोट लग गई थी।

डॉक्टर ने बताया कि मुझे हर्नियेटेड डिस्क हो गई है। लेकिन मैं अपने लिए समय ही नहीं निकाल सकता, क्योंकि वे अस्पताल में हैं। तुम्हें अंदाजा नहीं है, भाई। तुम्हारे पैसे उन्हें तब थाम नहीं पाते हैं, जब वे गिर रही होती हैं- यह याद रखना। इतना कहकर उसने फोन काट दिया।

वह कितनी सच्ची बात कह रहा था! आज तक किसी ने नहीं सुना कि पैसा डायपर बदल सकता है या अकेलेपन में सहारा दे सकता है। शायद इसी वजह से मुझे अपनी बहन की? याद आई। जब मैं पिता की दवाइयों के पैसे देता था, तो वही उन्हें दवा खिलाती थी। हो सकता है अंतिम संस्कार का खर्च मैंने उठाया हो, लेकिन आखिरी पल में पिता का हाथ उसने ही थामा था।

तब उसने मुझे फोन करके कहा ?था- भाई, मैंने उन्हें जाते हुए देखा। उस दिन मैंने खुद को कोसा। अस्पताल से डिस्चार्ज कराने से ठीक दो घंटे पहले मैं उनके साथ था, लेकिन उनके अंतिम क्षण में यह सैटेलाइट सक्सेसफुल चाइल्ड- यानी मैं- वहां मौजूद नहीं था। फंडा यह है कि विरासत का मतलब सम्पत्ति को बराबर-बराबर बांटना नहीं होता। इसका मतलब यह पहचानना भी होता है कि किसने अपने जीवन में ज्यादा त्याग किए, ताकि कोई और अपना जीवन संवार सके। पैसा और त्याग कभी बराबरी से नहीं तौले जा सकते।

केंद्र के अनुरोध

सुप्रीम कोर्ट के जज न्यायमूर्ति उज्जल भूइंया ने यह सटीक प्रश्न उठाया है कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय' दिया हो?

जब संभल के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट विभांशु सुधीर का विवादित तबादला चर्चा में है, सुप्रीम कोर्ट ने जज उज्जल भूइंया ने उच्चतर न्यायपालिका के जजों के तबादले के पीछे की राजनीतिक कहानी पर से परदा हटा कर काफी कुछ उजाले में ला दिया है। न्यायमूर्ति भूइंया ने पूछा कि किसी जज का एक से दूसरे हाई कोर्ट में सिर्फ इसलिए क्यों तबादला होना चाहिए कि उसने सरकार के लिए कोई 'असुविधाजनक निर्णय' दिया हो? हालांकि न्यायमूर्ति ने कोई नाम नहीं लिया, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि उनका इशारा बीते अक्टूबर में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज अतुल श्रीधरन के तबादले की ओर था।

जस्टिस श्रीधरन ने कर्नल सोफिया कुरैशी मामले में मध्य प्रदेश के एक मंत्री के बयान का संज्ञान लिया था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम ने पहले उनका तबादला छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट किया, लेकिन तुरंत ये फैसला बदल कर उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया। अब साफ है कि ऐसा केंद्र के अनुरोध पर किया गया। आम चर्चा है कि इस रूप में सरकार कॉलेजियम के तबादला संबंधी कई फैसलों के प्रभावित कर चुकी है। और जब उच्चतर न्यायपालिका में ये हाल हो, तो निचली अदालतों के बारे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सीजेएम सुधीर ने संभल की हिंसा के मामले में पुलिस अधिकारी पर मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। उसके कुछ ही दिन बाद उनका तबादला हो गया।

जस्टिस भूइयां ने उचित चेतावनी दी है कि ऐसी घटनाएं भारतीय न्यायपालिका की साख पर बट्टा लगा रही हैं। उन्होंने कहा- 'अगर हमने अपनी साख खो दी, तो न्यायपालिका में कुछ नहीं बचेगा। जज रहेंगे, अदालतें भी रहेंगी, मुकदमों पर फैसले भी होंगे, लेकिन दिल और आत्मा का लोप हो जाएगा।' तमाम जजों को न्यायमूर्ति भूइयां की इन बातों पर भी गौर करना चाहिए कि न्यायापालिका के पास ना तो धन होता है, ना तलवार। उसमें लोगों का भरोसा ही उसकी कुल जमा-पूंजी है। बड़े परिदृश्य में देखें, तो मुद्दा सिर्फ न्यायपालिका नहीं है। सबको इसका ख्याल रखना चाहिए कि इसकी साख चूकने का अर्थ पूरी शासन व्यवस्था के औचित्य को संदिग्ध कर देगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

चौथी लाइन की मंजूरी, अब चलेंगी पैसेंजर व मालगाड़ियां

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व सर्किल के आयुक्त रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने कोतरलिया-रायगढ़-किरोड़ीमल नगर-भूपदेवपुर के बीच बने विद्युतीकृत चौथी रेल लाइन का निरीक्षण करने के फौरन बाद ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी है। 2135.34 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 175 किलोमीटर से अधिक रेल लाइन का निर्माण पूरा हो चुका है। आयुक्त रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने 29 व 30 जनवरी को इस सेक्शन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के 24 घंटे के भीतर ही सीआरएस ने उक्त सेक्शन में ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी है।

अचानकमार में सफारी के दौरान दिखा बाघ

बिलासपुर। अचानकमार टाइगर रिजर्व में शनिवार को जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को एक बाघ नजर आया। वन विभाग के अधिकारी भी उत्साहित हैं, क्योंकि सफारी के दौरान बाघ नजर नहीं आने पर पर्यटकों में निराशा होती थी। यही वजह है कि कान्हा या बांधवगढ़ की तरह पर्यटकों का रुझान नहीं दिखता। लेकिन बाघ दिखने से अब उम्मीद जगी है। इवनिंग सफारी ने अभी आधा रास्ता ही पार किया था कि ड्राइवर ने गाड़ी रोकी। सामने कच्ची सड़क के दूसरी तरफ बाघ जंगल की ओर जा रहा था। चालक और गाइड ने उसे देखा, लेकिन पर्यटक नहीं। गाइड ने बताया और फिर सभी ने बाघ को झाड़ियों की तरफ जाते हुए देखा।

अपराधी को पकड़ने ड्रोन का उपयोग करेगी रेलवे पुलिस

भिलाई। रेलवे सुरक्षा बल रेलवे बोर्ड नई दिल्ली की महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने कहा कि आरोपियों की धरपकड़ के लिए लोकल जीआरपी और लोकल पुलिस के साथ समन्वय अतिआवश्यक है। साथ ही रेलवे सुरक्षा बल के जवान इंटर ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टीस सिस्टम (आईसीजीएस) का उपयोग करेंगे। इसमें देशभर के आरोपियों का ब्यौरा है। साथ ही ड्रोन से भी निरीक्षण करेंगे। ट्रेन से किसी अपराधी के भागने की सूचना मिलती है, तो जीआरपी या लोकल पुलिस के साथ मिलकर उसे पकड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यात्रियों की सुविधा का ख्याल रखते हुए उनका सहयोग करना है। उन्होंने दुर्ग रेलवे स्टेशन और आरपीएफपोस्ट का निरीक्षण भी किया।

नेशनल रग्बी के लिए 7 खिलाड़ियों का हुआ चयन

जगदलपुर। दिल्ली में आयोजित होने वाली नेशनल रग्बी स्पर्धा के लिए बस्तर जिले से 7 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इसके लिए वे दिल्ली के लिए रवाना हो चुके हैं। 3 फरवरी तक दिल्ली में चलने वाली स्पर्धा में घाटलोहंगा स्कूल के खिलाड़ी पीटीआई मोहम्मद साहिबा के नेतृत्व में दल रायपुर रवाना हुआ, जहां से वे छत्तीसगढ़ टीम से जुड़ेंगे।

6962 मीटर ऊंची अकोंकागुआ चोटी पर लहराया तिरंगा, माइनस 20 डिग्री था पारा

श्रीकंचनपथ समाचार

बिलासपुर। साहस और अदम्य इच्छाशक्ति का अद्वितीय उदाहरण पेश करते हुए इंदौर आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने विश्व की सबसे दुर्गम पर्वत चोटियों में शामिल माउंट अकोंकागुआ (6,962 मीटर) पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया। यह कारनामा उन्होंने माइनस 20 डिग्री की हाड़ कंपाने वाली सर्दी में कर दिखाया।

अकोंकागुआ को 'अमेरिका का शिखर' कहा जाता है और यह विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी मानी जाती है। उन्होंने बताया, माइनस 20 डिग्री तापमान और ऑक्सीजन की कमी के बीच हाड़ कंपा देने वाली ठंड में आखिरी दिन लगातार 10.30 घंटे की भीषण चढ़ाई के बाद वे शिखर पर पहुंचे, जहां उन्होंने तिरंगा फहराया और देश को समर्पित यह क्षण इतिहास में दर्ज कर दिया।

प्रदीप कुमार शर्मा को प्रेरित करने में परिवार का समर्थन विशेषकर पत्नी प्रिया शर्मा, बेटी प्रियल और अनविता का बड़ा योगदान रहा। जिसकी वजह से यह असंभव को संभव कर दिखाया। आरटीओ प्रदीप शर्मा बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के रहने वाले हैं। शर्मा के साथ इस अभियान में चार सदस्यीय समूह था। दो पर्वतारोही पहले एवरेस्ट फतह कर चुके थे, लेकिन रास्ते में तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें लौटना पड़ा। तीसरे पर्वतारोही ने अंतिम समिट तक साथ दिया, लेकिन शारीरिक समस्या के कारण उन्हें भी बीच से लौटना पड़ा।

आरटीओ शर्मा ने कहा, मैं प्रोफेशनल पर्वतारोही नहीं हूं, लेकिन विशेषज्ञों की सलाह और मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल कर सका। माउंट अकोंकागुआ शिखर पर तिरंगा फहराना मेरे जीवन का सबसे भावुक क्षण था। उन्होंने कहा, अगर संकल्प मजबूत हो तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं हैं। इससे पहले वे उज्जैन में 10,000 फीट से स्काई डाइविंग, भोपाल एसबीआई हाफ मैराथन में भागीदारी, भोपाल से सीहोर तक हॉट एयर बैलून फ्री-फॉल, पैराग्लाइडिंग, पैरामोटर सेलिंग और स्कूबा डाइविंग कर चुके हैं। उनके इस कारनामे ने एक बार साबित कर दिया है कि अगर इच्छाशक्ति हो तो बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है।

गिरहोला एवं खपरी के किसानों से केन्द्रीय कृषि मंत्री ने की चर्चा, ड्रोन डिजिटल खेती पर फोकस

ग्राम गिरहोला में वृक्षारोपण से दौरे की हुई शुरुआत, लगाई किसानों की चौपाल

हर्षित अग्रवाल

दुर्ग। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को दुर्ग जिले का एक दिवसीय प्रवास पर रहें। इस दौरान उन्होंने ग्राम गिरहोला एवं खपरी में खेत भ्रमण, वृक्षारोपण तथा किसान संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया। दौरे का मुख्य उद्देश्य किसानों से सीधा संवाद स्थापित कर आधुनिक कृषि तकनीकों, केंद्र सरकार की योजनाओं और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर चर्चा करना रहा।

केंद्रीय कृषि मंत्री सर्वप्रथम ग्राम गिरहोला पहुंचे, जहां उन्होंने आम के पौधे का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन आर्थिक लाभ का भी स्रोत बन सकता है। वृक्षारोपण के पश्चात् केंद्रीय मंत्री ने यहां उन्होंने कृषि फार्मों में अपनाई जा रही नवीन खेती तकनीकों, फसल विविधीकरण एवं उत्पादन पद्धतियों का गहन अवलोकन किया। मंत्री श्री चौहान ने सीधी बातचीत में बागवानी फसलों में आ रही समस्याओं के समाधान पर मार्गदर्शन दिया। किसानों ने भी अपने अनुभव, सुझाव एवं चुनौतियां साझा कीं।

खपरी में आयोजित बैठक में किसानों एवं अधिकारियों के साथ कृषि संबंधी समस्याओं, उत्पादन लागत, विपणन एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कृषक संवाद को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रगतिशील किसानों को बधाई दी। किसानों ने बताया कि धान की पारंपरिक खेती की तुलना में बागवानी फसलों से अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। इस पर मंत्री श्री चौहान ने अन्य किसानों को भी बागवानी एवं आधुनिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

श्री चौहान ने केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला, जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना- छोटे एवं सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभांतरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना - प्राकृतिक आपदाओं से फसलों की सुरक्षा, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना - कृषि नवाचार एवं उत्पादन वृद्धि, डिजिटल कृषि मिशन- तकनीक आधारित खेती को बढ़ावा, ड्रोन तकनीक- फसल निगरानी, कीटनाशक छिड़काव एवं लागत में कमी, प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई योजनाएं - सतत एवं जल-संरक्षित कृषि उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक इन योजनाओं से जुड़कर अपनी आय में वृद्धि करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री का यह एकदिवसीय दौरा राज्य में कृषि बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, किसानों को जागरूक करने और उनकी आय में वृद्धि लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

भ्रमण के दौरान प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण तथा आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, स्कूल शिक्षा, विधि एवं कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, विधायक अहिवारा डोमन लाल कोर्सेवाड़ा और कृषि वैज्ञानिक व अधिकारी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं के हृदय परीक्षण के लिए उपकरण भेंट

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला चिकित्सालय दुर्ग में मातृत्व एवं शिशु विभाग के अंतर्गत नवजात शिशुओं के हृदय की धड़कन की सटीक जांच हेतु एक अत्यंत महत्वपूर्ण डॉपलर उपकरण उपलब्ध कराया गया। यह उपकरण जीवनदीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर द्वारा स्व. श्रीमती कला देवी की स्मृति में प्रदान किया गया।

उक्त उपकरण को जिला चिकित्सालय के मुखिया सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. ए.के. मिंज को सौंपा गया। यह मशीन नवजात शिशुओं के हृदय की वास्तविक स्थिति का आकलन करने में उपयोगी है। इसके माध्यम से समय रहते हृदय संबंधी किसी भी असामान्य स्थिति की पहचान कर शीघ्र आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया की तैयारी की जा सकती है, जिससे शिशुओं के जीवन की रक्षा संभव हो पाती है।

इससे पूर्व भी दिलीप ठाकुर द्वारा इसी प्रकार की डॉपलर मशीन जिला चिकित्सालय को प्रदान की जा चुकी है। इस महत्वपूर्ण सेवा अवसर पर जीवनदीप समिति के मानद सदस्य प्रशांत डोंगावकर, स्टोर इंचार्ज रमन गंधर्व, मंजू राय सिस्टर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.पी. मेश्राम, आर.एम.ओ. डॉ. अखिलेश यादव एवं डॉ. संजय वालवेंद्र उपस्थित रहे। चिकित्सकों एवं समिति के सदस्यों ने दिलीप ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए इसे नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया।

टैक्स पर 5 साल तक टाल मटोल करना पड़ेगा भारी, पहले कटेगा नल, फिर कुर्की का नोटिस

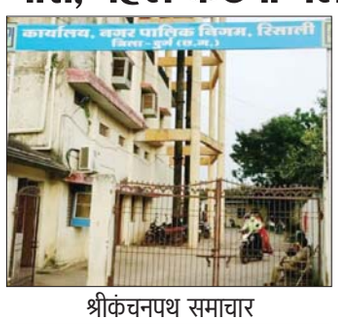

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने ऐसे बकायादारों की सूची तैयार कराई है जो लंबे समय से टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं। पहले बकायादारों के घर का नल कनेक्शन काटा जाएगा, इसपर भी नहीं माने तो कुर्की का नोटिस दिया जाएगा।

संपत्तिकर विभाग के प्रभारी रवि श्रीवास्तव ने बताया कि कई लोग ऐसे है जो लंबे समय से टैक्स जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। निगम से वे सारी सुविधाएं भी ले रहे। ऐसे लोगो की संख्या पहली सूची में 19 है। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि टैक्स जमा करने धारा 173 के तहत नोटिस जारी किया गया है। मांगरी देवी आजाद मार्केट को 151689, बुनिया देवी आजाद मार्केट को 813713 व 2221740, प्रदीप मैत्री नगर को 191548, अखिलेश यादव मैत्री नगर को 130328, शमीम अहमद मैत्री नगर 150497, नवीन सिंह मैत्री नगर को 138078, ओम प्रकाश वर्मा वैभव ट्रेडर्स को 375959, राम ध्रुव विश्वकर्मा स्टेशन मरोदा को 1648681, ओंकार कश्यप स्टेशन मरोदा को 364332, आजाद स्कूल स्टेशन मरोदा को 809353, नवीन सिंह मधुरिशा रेस्टोरेंट को 444939, शेख अहमद को 61211, आर्यावर्त को 827914, सविता गणवीर को 106055, आशीष देशमुख को 76499, वीणा विद्या निकेतन 249142, नोटिस दिया गया है।

महिला जागृति शिविर में शामिल हुए विधायक ललित चंद्राकर

दुर्ग। ग्राम खांडा में एकीकृत बाल विकास परियोजना, दुर्ग ग्रामीण के तत्वावधान में आयोजित महिला जागृति शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए। शिविर का उद्देश्य महिलाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही छोटे बच्चों का मुंह मीठा किया गया एवं गर्भवती महिलाओं को सुपोषण टोकरी प्रदान की गई।

मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर बच्चों को मिला मिशन बाल वात्सल्य योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग जिले के सोनी परिवार के बच्चों की पढ़ाई अब नहीं रुकेगी। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल से शासन द्वारा बच्चों को 18 वर्ष की उम्र तक उनके परवरिश और पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। सोनी परिवार के बच्चों के माता-पिता के निधन के बाद उनकी दादी श्रीमती सरस्वती सोनी ही बच्चों की देखभाल कर रही हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बच्चों की पढ़ाई में परेशानी आ रही थी। इसी समस्या को लेकर दादी सरस्वती बच्चों के साथ शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के गंजपारा स्थित कार्यालय पहुंचीं और बच्चों की परवरिश और पढ़ाई से संबंधित अपनी बात रखी। मंत्री गजेंद्र यादव ने इस विषय को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को उक्त योजना का लाभ दिलाने हेतु निर्देशित किये ।

श्रीमती सरस्वती सोनी ने बताया कि 9 वर्षीय चिराग सोनी और 13 वर्षीय आराध्या सोनी के पालन पोषण और पढ़ाई का खर्च उठाना उनके लिए कठिन हो रहा है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए तुरंत शासन को बच्चों की शिक्षा हेतु छत्तीसगढ़ शासन की मिशन वात्सल्य योजना से बच्चों को लाभ दिलाने पत्र लिखे। शासन द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए चिराग और आराध्या दोनों को 18 वर्ष की आयु तक शिक्षा सहायता देने का निर्णय लिया गया। इसके तहत दोनों बच्चों को प्रति माह 4-4 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस योजना की पहली किस्त दोनों बच्चों के खातों में जमा हो चुकी है। इस पहल से सोनी परिवार को राहत मिली है और बच्चों का परवरिश और शिक्षा अब बिना किसी बाधा के जारी रह सकेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप में स्वयंसेवकों ने लहराया परचम

राज्य स्तर पर वैशाली नगर कॉलेज का दबदबा, हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। शिक्षाधानी भिलाई के शासकीय वैशाली नगर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर शहर का गौरव बढ़ाया है। एनएसएस कैंप में शानदार प्रदर्शन के चलते यहां के विद्यार्थी शीर्ष स्थान पर रहे। साथ ही कैबिनेट मंत्री के हाथों सम्मानित भी किए गए। गौरतलब है कि बलौदाबाजार में सात दिवसीय राज्य स्तरीय एन.एस.एस शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश की नौ विश्वविद्यालयों से दो सौ 50 से ज्यादा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस शिविर में दुर्ग स्थित शासकीय हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की ओर से 20 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। सबसे खास भिलाई के वैशाली नगर स्थित इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक कामरान अली ने ई-पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही रील मेकिंग स्पर्धा में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

महाविद्यालय की एन.एस.एस स्वयंसेविका डीकेश्वरी साहू ने रंगोली स्पर्धा, सांस्कृतिक संध्या और सांस्कृतिक रैली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वयंसेवकों को छत्तीसगढ़ शासन के उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार ठाकुर का विशेष सहयोग रहा।

राज्य स्तरीय एन.एस.एस शिविर युवाओं में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता एवं सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.अलका मेश्राम ने कहा कि हमारे होनहार विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और एनएसएस का मान और सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे होनहार छात्र और छात्राएं हमारे लिए गौरव है। हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कार्यक्रम समन्वयक जैनेंद्र दीवान और कार्यक्रम अधिकारी डॉ.चांदनी मरकाम और समस्त प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, महाविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारी ने स्वयंसेवक की सराहना की।

दुर्ग महापौर को जन्मदिन पर मिला अपार स्नेह

दुर्ग। दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार को जन्मदिन पर शनिवार को लोगों का अपार स्नेह मिला। फलस्वरूप सुबह से ही उनके सिविललाईन गौरव पथ स्थित आवास एफ 4 पर उन्हें बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा रहा। बधाईयों का यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। अपने चहेते नेता और महापौर अलका बाघमार के जन्मदिन को यादगार बनाने भाजपा कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों ने अपने-अपने अंदाज में खुशियां मनाई। किसी ने महापौर से केक कटवाया, तो किसी ने मिठाईयां बांटी। कार्यकर्ताओं द्वारा की गई आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रही। लोग पहुंचते रहे और महापौर को जन्मदिन की बधाई दी और उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायू की कामना की गई।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

पढ़ाई में कमजोर छात्रों को लेकर जिले ने किया एक अभिनव प्रयास जोन कोचिंग

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में पढ़ाई में कमजोर छात्र जिनका परीक्षा परिणाम अर्धवार्षिक और प्री बोर्ड में बेहतर नहीं रहा तथा जो एक विषय से अधिक विषय में अनुत्तीर्ण रहे, जो नियमित रूप से स्कूल नहीं आते रहे हैं, ऐसे छात्रों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से एक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी कड़ी में आज से 4 दिन तक कलेक्टर जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में शिक्षकों की टीम द्वारा जिले के 24 स्थानों पर जोन बनाकर इन कमजोर छात्रों को परिणाम बेहतर करने की तैयारी कराई जा रही है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह के निर्देशन में शिक्षा विभाग की टीम द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बताया कि शिक्षकों की टीम द्वारा जिले के 24 स्थानों पर जोन बनाकर पढ़ाई में कमजोर छात्रों को परिणाम बेहतर करने की तैयारी कराई जा रही है। उल्लेखनीय है कि गत दिनों कलेक्टर जितेंद्र यादव द्वारा प्री बोर्ड के परिणामों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें कमजोर परीक्षा परिणाम को लेकर प्राचार्य के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी ने रणनीति बनाकर कार्ययोजना के साथ विशेषज्ञों की टीम की बैठकों द्वारा जिले के 24 स्थान पर जोन बनाकर बच्चों को पढ़ाई कराई जाएगी। कमजोर बच्चों को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों में जिसमें ज्यादातर बच्चे फेल हुए हैं। उन विषयों की तैयारी बेहतर तरीके से कराई जाएगी। जिसके अंतर्गत गत 5 वर्षों के प्रश्न पत्र, ब्लूप्रिंट पर आधारित प्रश्न एवं जिले द्वारा तैयार किया गया प्रश्न बैंक जिसमें परीक्षा में आने वाले प्रश्नों की श्रृंखला है इस पर आधारित तैयारी ही कराई जाएगी, ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए सही मार्गदर्शन मिल सके और जिले का परिणाम बेहतर हो सके।

ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसानों की राह हुई आसान

अंबिकापुर । सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत मोतीपुर के प्रगतिशील किसान पंचबाबू सिंह ने शासन की ऑनलाइन टोकन व्यवस्था एवं समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। धान खरीदी केंद्र पहुंचे किसान पंचबाबू सिंह ने बताया कि इस वर्ष उन्होंने अपने मोबाइल के माध्यम से घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि अब टोकन कटवाने के लिए समिति के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हुई है। उन्होंने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और किसान हितैषी बताया। सिंह इस बार लगभग 80 क्विंटल धान विक्रय के लिए केंद्र पहुंचे हैं। सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष धान का अच्छा मूल्य मिलने से उन्होंने अपने भाई का विवाह संपन्न करा पाए। इस वर्ष भी धान विक्रय से प्राप्त आय से वे बोर खनन सहित अन्य आवश्यक पारिवारिक कार्य पूर्ण करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य की राशि सीधे खाते में मिलने से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था, समय पर भुगतान और 3100 प्रति क्विंटल की दर से मिल रहे लाभ पर संतोष व्यक्त करते हुए पंचबाबू सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाएं बेहतर हैं और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, छांव, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई, जिससे जिले के किसान सहजता से अपना धान विक्रय किया।

सुशासन की मिसालः समारोह में नहीं आ सके सेवानिवृत्त कर्मी, प्रशासन स्वयं पहुंचा उनके द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन की पहचान केवल योजनाओं और निर्णयों तक सीमित नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ आमजन और कर्मचारियों के जीवन को स्पर्श करने में भी दिखाई देती है। बस्तर जिला प्रशासन ने इसी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए एक ऐसा अनुकरणीय कदम उठाया, जिसने पूरे राज्य में प्रशासन की सकारात्मक छवि को और सशक्त किया है।

जगदलपुर स्थित कलेक्टोरेट के आस्था कक्ष में 16 सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया था। इस अवसर पर वन विभाग के कर्मी दिलराज दास का नाम भी शामिल था, किंतु सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पूर्व उन्हें लकवा (पैरालिसिस) का गंभीर आघात लगा, जिससे वे चलने-फिरने में असमर्थ हो गए। समारोह में उपस्थित होने की उनकी गहरी इच्छा स्वास्थ्यगत विवशता के कारण अधूरी रह गई।

जब यह विषय कलेक्टर आकाश छिकारा के संज्ञान में आया, तो उन्होंने मानवीय संवेदना के साथ त्वरित निर्णय लेते हुए कहा कि यदि कर्मचारी समारोह में नहीं आ सकता, तो प्रशासन स्वयं उसके घर जाएगा।

कलेक्टर के निर्देश पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अनिल कुमार पाठक ने सहायक कोषालय अधिकारी ममता ध्रुव एवं कोषालय स्टाफ के साथ दिलराज दास के निवास पर पहुंचकर उन्हें पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) सहित सभी सेवांत लाभ सम्मानपूर्वक सौंपे तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। प्रशासन को अपने द्वार पर पाकर दिलराज दास और उनके परिजन भावुक हो उठे।

छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना के दो साल हुए पूरे

दो वर्षों की अवधि में आर्थिक रूप से अधिक मजबूत हुईं महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना के दो साल हुए पूरेछत्तीसगढ़ में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए शुरू की गई महतारी वंदन योजना ने दो साल पूरे कर लिए हैं। आज यह योजना सिर्फहर महीने मिलने वाली राशि तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की लाखों महिलाओं के लिए आत्मसम्मान, भरोसे और आत्मनिर्भरता का आधार बन चुकी है।

योजना की शुरुआत 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पहली किस्त जारी होने के साथ हुई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इसे पूरी पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ लागू किया, ताकि लाभ सीधे महिलाओं तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने 30 जनवरी को नारायणपुर जिले से महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त जारी की। इस दौरान 68 लाख 47 हजार 355 महिलाओं के बैंक खातों में 641 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के जरिए ट्रांसफर की गई।

अब तक योजना के तहत कुल 15 हजार 595 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि महिलाओं के खातों में पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि योजना कितने बड़े स्तर पर महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव है। नियमित आर्थिक मदद से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे परिवार व समाज के फैसलों में खुलकर भागीदारी कर रही हैं। डीबीटी व्यवस्था के कारण दूर-दराज और नक्सल प्रभावित इलाकों तक भी लाभ बिना रुकावट पहुंच रहा है।

महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये सीधे बैंक खाते में मिल रहे हैं। इस छोटी लेकिन नियमित मदद ने महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी में बड़ा बदलाव किया है। घर की जरूरतें आसान हुई हैं, बचत की आदत बढ़ी है और आर्थिक फैसलों में उनकी भूमिका मजबूत हुई है।

ग्रामीण और शहरी इलाकों में कई महिलाएं इस राशि से छोटे-छोटे काम शुरू कर रही हैं। कहीं आर्टिफिशियल ज्वेलरी का कारोबार, कहीं पापड़ और खाद्य सामग्री का निर्माण, तो कहीं श्रृंगार की दुकानें चल रही हैं। इससे साफहै कि सही नीति और लगातार सहयोग से महिलाएं खुद की पहचान बना रही हैं। यह योजना मजदूर, छोटे किसान और सीमित आय वाले परिवारों के लिए भी सुरक्षा कवच साबित हो रही है। बच्चों की पढ़ाई, इलाज और अचानक आने वाले खर्चों की चिंता अब पहले जैसी नहीं रही। कई महिलाएं भविष्य के लिए बचत और योजनाएं बनाने लगी हैं। राज्य सरकार के सुरक्षा और विकास के साझा प्रयासों का असर यह है कि सुकमा, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे नक्सल प्रभावित जिलों में भी महतारी वंदन योजना प्रभावी ढंग से लागू हो रही है।

नियद नेल्ला नार योजना के जरिए अब तक 7,763 नई महिलाओं को इससे जोड़ा जा चुका है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह योजना छत्तीसगढ़ को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है। यह योजना महिलाओं के जीवन में सम्मान और आत्मविश्वास लेकर आई है। नियमित आर्थिक सहायता से उनकी सामाजिक और पारिवारिक भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि योजना का लाभ हर पात्र महिला तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे।

सड़क निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त और समय-सीमा में करें पूरा- मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने दो दिवसीय नारायणपुर प्रवास के दौरान नारायणपुरदृकोंडागांव के मध्य निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

डबल इंजन की सरकार के तहत विकास कार्यों को गति देते हुए बस्तर अंचल को महाराष्ट्र से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 130-डी के निर्माण को राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता दी जा रही है। एनएच-130डी, जिसकी कुल लंबाई लगभग 195 किलोमीटर है, एनएच-30 का शाखा मार्ग (स्पर रूट) है। यह मार्ग कोंडागांव से शुरू होकर नारायणपुर, कुतुल होते हुए महाराष्ट्र सीमा स्थित नेलांगुर तक जाता है।

आगे महाराष्ट्र में यह मार्ग बिंगुंडा, लहरे, धोदराज, भमरगढ़, हेमा, लकासा होते हुए आलापल्ली तक पहुंचता है, जहां यह एनएच-353डी से जुड़ जाता है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग के विकसित होने से बस्तर क्षेत्र सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जुड़ जाएगा, जिससे व्यापार, पर्यटन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

नेशनल हाईवे 130-डी का कोंडागांव से नारायणपुर तक लगभग 50 किलोमीटर का हिस्सा निर्माणाधीन है। नारायणपुर से कुतुल की दूरी लगभग 50 किलोमीटर है, जबकि कुतुल से महाराष्ट्र सीमा स्थित नेलांगुर तक 21.5 किलोमीटर की दूरी है। इस प्रकार इस राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 195 किमी में से लगभग 122 किमी हिस्सा छत्तीसगढ़ राज्य में आता है।

आत्मविश्वास, कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से ही साकार होंगे सपनेः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के युवाओं को आत्मनिर्भर, लक्ष्यनिष्ठ और सशक्त बनाने की दिशा में राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में एक और उल्लेखनीय पहल सामने आई है। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल पर सूरजपुर जिले के भटगांव स्थित स्टेडियम ग्राउंड में कपिध्वज करियर गाइडेंस कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 6 से 8 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपने भविष्य को दिशा देने का अवसर प्राप्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि आज का युवा ही देश और समाज के भविष्य का निर्माणकर्ता है। युवाओं के कंधों पर राष्ट्र निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे निभाने के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन और निरंतर परिश्रम आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियाँ व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं और सही निर्णय, समय प्रबंधन तथा सकारात्मक सोच के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। मंत्री राजवाड़े ने शिक्षा को सफलता की सबसे मजबूत नींव बताते हुए विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने मूल्यों, जीवनशैली और दीर्घकालिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर करियर का चयन करें और ऐसे मार्गदर्शन कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाएं।

इस अवसर पर देश के प्रतिष्ठित करियर मार्गदर्शक एवं कोटा (राजस्थान) स्थित मोशन कोचिंग सेंटर के संस्थापक एवं सीईओ नितिन विजय (एन वी सर) ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर चयन, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण और लक्ष्य आधारित अध्ययन पर प्रभावशाली मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सोच ऊंची रखो, उड़ान भी ऊंची होगी। कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और आत्मविश्वास बनाए रखने वाला व्यक्ति निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करता है।

नितिन विजय ने कहा कि सफलता दो बार प्राप्त होती है पहले मन में और फिर वास्तविक जीवन में, इसलिए विद्यार्थियों को मानसिक और व्यवहारिक दोनों स्तरों पर स्वयं को सफलता के लिए तैयार करना चाहिए। उन्होंने करियर चयन से पहले अपनी रुचि, क्षमता और व्यक्तित्व को समझने, गलतियों से सीखने और आत्मचिंतन को जीवन में आगे बढ़ने का मूलमंत्र बताया। समापन अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने बाल विवाह उन्मूलन और नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ शपथ लेकर सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का संदेश दिया।

3.52 लाख पौधों के रोपण से हरित आवरण में हुआ बढ़ोत्तरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

एनएमडीसी नगरनार क्षेत्र में विकसित हुआ मानव निर्मित वन

रायपुर। छत्तीसगए मानव निर्मित वन क्षेत्र की स्थापना के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण को रोकना, उसे स्थिर करना और उसे उलटना, जलवायु परिवर्तन से लड़ना और बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की घटना को टालना है। हरियाली का स्पर्श जोड़ने और पर्यावरण के साथ संतुलन बनाने की अवधारणा न केवल प्रदूषण को कम करेगी बल्कि क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को भी पुर्नजीवित करेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण विस्तार के उद्देश्य से एनएमडीसी नगरनार क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण कार्य किया गया है। निगम द्वारा एनएमडीसी नगरनार के साथ अनुबंध के तहत वर्ष 2017 से 2025 के बीच कुल 3 लाख 52 हजार 500 पौधों का रोपण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में एक मानव निर्मित वन का सफल विकास हुआ है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। इस दीर्घकालिक वृक्षारोपण परियोजना के अंतर्गत स्थानीय जलवायु के अनुकूल छायादार, फलदार एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के पौधों का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति से रोपण एवं नियमित संरक्षण किया गया। उद्देश्य औद्योगिक गतिविधियों से उत्पन्न पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना, जैव विविधता को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को सुदृढ़ करना है। गौरतलब है कि वन विकास निगम के अधिकारियों के अनुसार विकसित मानव निर्मित वन भविष्य में वायु गुणवत्ता सुधार, जल संरक्षण, तापमान संतुलन एवं हरित वातावरण निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल राज्य सरकार की सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण नीति के अनुरूप एक सराहनीय प्रयास है। उक्त कार्य औद्योगिक वृक्षारोपण मण्डल, जगदलपुर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति ने उच्च न्यायालय परिसर को किया संगीतमय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में 'एन इवनिंग ऑफ म्यूजिकल हॉरमोनी' का भव्य एवं संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर के पाइप एवं ब्रास बैंड द्वारा अनुशासित एवं मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति दी गई, विशेष रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम की प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया।

उच्च न्यायालय परिसर में एन इवनिंग ऑफ म्यूजिकल हॉरमोनी कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम के माध्यम से संगीत, अनुशासन एवं सांस्कृतिक सौहार्द का सुंदर समन्वय देखने को मिला। बैंड द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति धुनों, पारंपरिक एवं समकालीन संगीत की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

बैंड सदस्यों की अनुशासित परेड, तालमेल एवं संगीतात्मक उत्कृष्टता ने उपस्थित दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।

इस गरिमामय अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने बैंड की प्रस्तुति और कलाकारों के अनुशासन एवं संगीतात्मक उत्कृष्टता को सराहा एवं प्रतिभागी सदस्यों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह संगीतमय संध्या न्यायिक गरिमा के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

इससे पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर परिसर स्थित बुलंद दरवाज़ा एवं उससे संलग्न टैरेस गार्डन के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया। इसका उद्देश्य उच्च न्यायालय परिसर की गरिमा, ऐतिहासिक महत्व एवं पर्यावरणीय सौंदर्य को संरक्षित एवं संवर्धित करना है। सौंदर्यीकरण कार्यों के अंतर्गत संरचनात्मक सुधार, हरित विकास, एवं परिसर को अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे न्यायालय में आने वाले अधिवक्ताओं, पक्षकारों एवं आम नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण, महाधिवक्ता, डिप्टी सालिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, अतिरिक्त महाधिवक्ता, उप महाधिवक्तागण, अन्य अधिवक्तागण, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री में पदस्थ समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला न्याय प्रशासन के अधिकारीगण, न्यायालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'क्रिएटिव फील्ड में काम के घंटे तय नहीं होते' दीपिका के आठ घंटे काम की मांग पर सौरभ शुक्ला ने दी प्रतिक्रिया

दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे काम की मांग करके इंडस्ट्री में एक नई बहस छेड़ दी। अब इस मुद्दे पर सौरभ शुक्ला ने भी अपनी राय दी है। जानिए अभिनेता ने क्या कहा.....

पिछले साल दीपिका पादुकोण ने मां बनने के बाद आठ घंटे काम की शिफ्ट को लेकर इंडस्ट्री में एक नई बहस को जन्म दे दिया। हालांकि, अपनी इस शर्त के चलते दीपिका के हाथ से 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' का सीक्वल जैसी दो बड़ी फिल्में भी निकल गईं। लेकिन दीपिका अपनी डिमांड पर अड़ी रहीं। उनकी इस शर्त का इंडस्ट्री के कई लोगों ने समर्थन भी किया। अब आठ घंटे काम करने की मांग पर राइटर-एक्टर सौरभ शुक्ला ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक्स्ट्रा घंटे काम करने पर शिकायत नहीं करनी चाहिए

इंडिया टुडे से बात करते हुए आठ घंटे शिफ्ट के मुद्दे पर सौरभ शुक्ला ने कहा कि क्रिएटिव फील्ड में काम के घंटे तय नहीं होते। किसी प्रोजेक्ट की शूटिंग के दौरान तय शेड्यूल का पालन करने से कहीं ज्यादा निरंतरता मायने रखती है। अगर कभी-कभी क्रिएटिविटी को बनाए रखने के लिए एक्स्ट्रा समय काम करना पड़े तो शिकायत नहीं करनी चाहिए। अगर आप पूरी तरह से काम में डूबे हुए हैं, तो मुझे लगता है कि अगर आप अचानक अपने काम के घंटों से आधा घंटा या एक घंटा ज्यादा काम कर रहे हैं, तो आपको शिकायत नहीं करनी चाहिए। इसके बदले में आपको बहुत कुछ मिल रहा है। विचारों की निरंतरता और उस प्रवाह की निरंतरता।

काम पर अधिक ध्यान देना चाहिए

सौरभ ने आगे बताया कि सेट पर काम के घंटों पर ध्यान देने के बजाय, अभिनेताओं को काम पर ध्यान देना चाहिए। समय सीमा होनी चाहिए, लेकिन यह मुख्य बात नहीं है। मुख्य बात वह रचना है जिसे आप बना रहे हैं। घड़ी पर ध्यान देने के बजाय कि अरे! 6 या 8 बज गए हैं और मुझे घर जाना है, हमें अपने काम पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

कई मेल एक्टर कई साल से आठ घंटे काम कर रहे : दीपिका

पिछले साल दीपिका ने आठ घंटे काम को लेकर एक नई बहस शुरू की थी। इसके बाद ब्रूट इंडिया के साथ एक बातचीत में दीपिका ने अपनी मांग पर बात करते हुए बताया था कि कई शीर्ष पुरुष अभिनेता सख्ती से आठ घंटे काम करते हैं। हालांकि, जब उन्होंने मां बनने के बाद इसी तरह की मांग रखी, तो उनकी मांग को बेतुका बताया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं जो मांग रही हूं वह बेतुकी और गलत है।

मुझे लगता है कि इस सिस्टम में लंबे समय तक काम कर चुके व्यक्ति को ही पता होगा कि हम किन परिस्थितियों में काम करते हैं। मैं ऐसी मांग करने वाली पहली नहीं हूं। वास्तव में, कई अभिनेता, पुरुष अभिनेता, वर्षों से आठ घंटे की शिफ्ट में काम कर रहे हैं और यह कभी सुर्खियों में नहीं आया।

सोशल मीडिया क्यों डिलीट करना चाहती हैं आलिया भट्ट? साझा की दिल की बात

आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया को लेकर एक बात कही है। उन्होंने 2022 में रणबीर कपूर से शादी की। फिर उन्होंने बच्ची राहा को जन्म दिया था।

आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके मुताबिक 2022 में मां बनने के बाद उनके अंदर कई बदलाव आए हैं। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत में बताया कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्यों कहा है?

सोशल मीडिया क्यों डिलीट करना चाहती हैं आलिया?

एस्क्वायर इंडिया से बातचीत में आलिया भट्ट ने बताया कि कई बार लगता है कि सोशल मीडिया से दूरी बना ली जाए और सिर्फअपने काम पर ध्यान दिया जाए। एक अभिनेत्री होने के नाते अभिनय ही असली पहचान है। लगातार ऑनलाइन मौजूद रहने का दबाव कई बार थका देता है। आलिया के मुताबिक कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मन करता है कि सारे सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर दिए जाएं। एक एक्ट्रेस के तौर पर जिया जाए।

मां बनने के बाद हुए बदलाव

आलिया ने आगे कहा 'जब अपनी निजी जिंदगी को सबके सामने लाने की बात आती है, तो थोड़ा मुश्किल लगता है। मेरी फोटो एल्बम राहा से भरी हुई है। मुझे अपनी तस्वीरें लेने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ती है।' आलिया भट्ट ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद उनमें कई बदलाव हुए हैं।

आपको बता दें कि आलिया भट्ट ने कई वर्षों तक रणबीर कपूर को डेट करने के बाद अप्रैल 2022 में शादी की। उनकी पहली बच्ची राहा का जन्म नवंबर 2022 में हुआ।

आलिया भट्ट का वर्कफ्रंट

आलिया भट्ट जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आने वाली हैं। इसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल अहम भूमिकाओं में होंगे। इसके अलावा वो यशराज फिल्म्स की 'अल्फा' का भी हिस्सा हैं, जिसमें शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

नीलम गिरी को मिला द 50 का गोल्डन टिकट, लॉयन के महल में भोजपुरी क्वीन की एंट्री

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री नीलम गिरी बिग बॉस 19 के बाद अब रियलिटी शो द 50 में जाने वाली हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा, ये आ गया मेरा द 50 का गोल्डन टिकट और मुझे बुलावा आ गया है लॉयन के महल में जाने के लिए।

अब मैं जा रही हूं शॉपिंग के लिए। आप लोग द 50 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स पर देख सकते हैं। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ लिखा, बिग बॉस 19 के बाद जियो हॉटस्टार और कलर्स के साथ फिर जुड़ना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है, लेकिन इस बार एक बिल्कुल नए रियलिटी शो द 50 के साथ।

उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर में मेरा सफर बहुत शानदार रहा। दर्शकों ने मुझे खूब प्यार दिया, खासकर सीधा जाकर लेफ्ट लें और चाय बनाना जैसे पलों के लिए। अब कुछ नया शुरू करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं। उम्मीद है यहां भी ऐसे कई यादगार पल बना पाऊंगी। मैं इस नए चैलेंज और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हूं और द 50 में अपना पूरा दम लगाऊंगी।

उन्होंने आखिरी में लिखा, द 50 1 फरवरी से जियोहॉटस्टार पर, एक नई शुरुआत का समय है, द 50, मैं आ रही हूं। शो द 50 एक बड़ा रियलिटी गेम शो है, जिसमें 50 मशहूर हस्तियां एक महल में रहकर अलग-अलग चुनौतियों में हिस्सा लेंगी। इसमें स्ट्रैटेजी, टास्क, ड्रामा और माइंड गेम्स का पूरा पैकेज होगा। शो के कुछ कंटेस्टेंट के नाम सामने आ चुके हैं, तो कुछ के नामों को लेकर अभी खुलासा नहीं हुआ है। अब देखना होगा कि इतने सेलेब्स के साथ यह शो दर्शकों के लिए कैसा रहेगा।

शो में करण पटेल, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, प्रिंस नरूला, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया समेत कई कंटेस्टेंट नजर आएंगे।

क्या स्वीट कॉर्न खाना पसंद है?

सुबह के नाश्ते में बनाएं ये 5 व्यंजन

स्वीट कॉर्न एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है, जिसे आप अपने नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। यह न केवल आपके शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि इसमें फाइबर और विटामिन्स भी होते हैं, जो आपके पाचन को स्वस्थ रखते हैं। आइए आज हम आपको स्वीट कॉर्न से बनने वाले पांच आसान और स्वादिष्ट नाश्ते की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में बना सकते हैं।

स्वीट कॉर्न उपमा

स्वीट कॉर्न उपमा एक सेहतमंद और स्वादिष्ट विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सूजी को हल्का-सा भून लें, फिर एक पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, उड़द दाल, मूंग दाल, करी पत्ते और हरी मिर्च डालें। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और थोड़ी देर पकने दें। इसके बाद भुनी हुई सूजी को इस मिश्रण में मिलाकर पानी डालें और ढककर पकने दें। जब पानी सूख जाए तो इसे गर्मागर्म परोसें।

स्वीट कॉर्न चाट

स्वीट कॉर्न चाट एक मजेदार और पौष्टिक स्नैक हो सकता है। इसके लिए उबले हुए स्वीट कॉर्न को एक बड़े बर्तन में डालें, फिर इसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, हरी मिर्च और धनिया पत्ती मिलाएं। अब इसमें नींबू का रस, भुना जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक स्वादानुसार डालें। आप इसमें थोड़ा-सा चाट मसाला भी डाल सकते हैं। सभी सामग्रियों को अच्छे से मिलाकर इसे ठंडा होने दें और फिर इसे नाश्ते के रूप में परोसें।

स्वीट कॉर्न पकोड़े

स्वीट कॉर्न पकोड़े एक बेहतरीन स्नैक हो सकता है, जिसे आप चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बेसन में नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा-सा बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को छोटी-छोटी लोइयों में बनाकर गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। इन्हें गर्मागर्म परोसें।

स्वीट कॉर्न टिक्की

स्वीट कॉर्न टिक्की बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती हैं। इसे बनाने के लिए उबले हुए आलू और स्वीट कॉर्न को मैश करें, फिर इसमें बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाएं। अब इस मिश्रण में नमक, गरम मसाला, धनिया पाउडर और थोड़ा-सा नींबू का रस डालें। इस मिश्रण को टिक्की का आकार देकर तवे पर हल्का-सा तेल डालकर सुनहरा होने तक सेंकें। इसे हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें।

स्वीट कॉर्न डोसा

स्वीट कॉर्न डोसा एक अनोखा और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है, जिसे आप सुबह के नाश्ते या शाम की चाय के साथ खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चावल, उड़द दाल और मूंग दाल को रातभर पानी में भिगोएं, फिर इन्हें पीसकर घोल बना लें। अब इसमें उबले हुए स्वीट कॉर्न डालें और थोड़ी देर खड़े रहने दें। इसके बाद तवे पर थोड़ा-सा तेल लगाकर इस घोल से डोसा बनाएं और इसे नारियल की चटनी के साथ परोसें।

खास खबर

सेजस सकनापल्ली में शिक्षा का नया अध्याय

बीजापुर। भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, सकनापल्ली में आज नवनिर्मित विद्यालय भवन का भव्य लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कविता कोरम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य रीना भगत, एसएमडीसी अध्यक्ष अरुण भगत, सरपंच वेंकतम्मा पेंदम (बारेगुड़ा), सरपंच मेंकल संतोष (लिंगापुर), विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, मंडल संयोजक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पालक, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के पश्चात सरस्वती माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पूजा-अर्चना के साथ किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। मुख्य अतिथि कविता कोरम के करकमलों से रिबन काटकर नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया।लोकार्पण उपरांत अतिथियों ने विद्यालय भवन का भ्रमण किया तथा परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक विचार साझा किए।कार्यक्रम के दौरान सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9वीं की छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया, जिससे छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समारोह का समापन स्वल्पाहार के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य एट्टी राजन्ना द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया।

मोबाइल वेटनरी यूनिट से दूरस्थ गांवों में निःशुल्क पशु उपचार की सुविधा

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के चारों विकास खंडों में मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामों में पहुंचकर पशुओं का निशुल्क उपचार, दवाइयों का वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। मोबाइल वेटनरी यूनिट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन प्रात 8 बजे से सायं 4 बजे तक तीन ग्रामों का भ्रमण कर बीमार पशुओं का उपचार, दवा वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कर रही है। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी, मौसमी टीकाकरण का प्रचार-प्रसार, पशुपालकों की संगोष्ठी एवं पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। इस मोबाइल यूनिट में पशु चिकित्सक, पैरावेट स्टाफ, आवश्यक दवाइयाँ एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध रहते हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में पशुपालकों को बड़ी राहत मिल रही है। यह सेवा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। राज्य शासन द्वारा पशुपालकों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 जारी किया गया है, जिसके माध्यम से सड़क अथवा घर पर बीमार पशुओं का नि:शुल्क उपचार कराया जा सकता है।

भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण से अब सीएससी केंद्रों पर मिलेगी त्वरित सेवा

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के समस्त चॉइस सेंटर सीएससी केंद्रों में ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख ;लैंड रिकॉर्ड डिजिटलीकरण सॉफ्टवेयर के लिए आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं। साथ ही सभी सीएससी सेंटर ऑपरेटरों को इस सॉफ्टवेयर के संचालन हेतु आवश्यक भौतिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। अब जिले के हितग्राही अपने नजदीकी सीएससी केंद्र में जाकर 1930 से लेकर वर्तमान तक के भूमि संबंधी दस्तावेज जैसे बी.1ए मिसल अभिलेख खसरा पांचशाला इत्यादि अभिलेख प्राप्त कर सकेंगे एवं इन दस्तावेजों के आधार पर भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण एवं सत्यापन करवा सकेंगे। इससे पुराने रिकॉर्ड भी सुरक्षित रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेंगे। कलेक्टर ने ब्लॉकचेन तकनीक के उपयोग से भूमि रिकॉर्ड अधिक सुरक्षित पारदर्शी एवं छेड़छाड़.रहित रहेंगे। सेवाओं की गति एवं विश्वसनीयता बढ़ेगी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की विभागीय काम-काज की समीक्षा, कहा-

छत्तीसगढ़ के एग्रोक्लाइमेट के अनुरूप बनाएंगे विशेष नीति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि छत्तीसगढ़ को कृषि के क्षेत्र में उन्नत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों और राज्य सरकार के अधिकारियों की टीम अगले एक हफ्ते में छत्तीसगढ़ के एग्रोक्लाइमेट के अनुरूप विशेष नीति बनाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय महानदी भवन में कृषि विभाग के कामकाज की उच्च स्तरीय समीक्षा उपरांत अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने बैठक में यह भी कहा कि प्रदेश में फसल विविधिकरण को बढ़ावा देना है ताकि किसानों की आय बढ़े।

साथ ही छोटी जोत के किसानों को कृषि से इतर पशुपालन, मत्स्यपालन, वानिकी जैसे सहायक गतिविधियों को भी बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में रिसर्च की समस्या, वैरायटी की समस्या को दूर किया जाएगा और फसलों के वैविध्य पर काम किया जाएगा। श्री चौहान ने कहा जिस मंशा से मैं यहाँ आया हूँ, वह यह है कि अच्छा काम हो रहा है, लेकिन और बेहतर करने की अनंत संभावनाएं हैं। अलग-अलग प्रयोग कर कृषि को और सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुसंधान ऐसा होना चाहिए, जिससे सीधे किसानों को लाभ मिले। उन्होंने फॉर्मर प्रोड्यूसर ऑर्गनाइजेशन को मजबूत करने, कृषि यंत्रों के वितरण के फिजिकल वेरिफिकेशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य जिला योजना की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ के कृषि अधिकारियों और सहयोगियों से संवाद कर टीम वर्क के साथ नवाचार पर ज़ोर दिया और कहा कि अच्छा काम करने वालों को सम्मान मिलेगा।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ में कृषि विकास एवं किसानों के सशक्तिकरण को लेकर केन्द्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि विविध फसलों के लिए छत्तीसगढ़ में उपयुक्त जलवायु क्षेत्र है। उन्होंने फसल विविधिकरण पर जोर देते हुए यहां के जलवायु के अनुरूप अलग-अलग जिलों व क्षेत्रों में अलग-अलग फसलों को बढ़ावा देने की बात कही।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों के आय को बढ़ाने की दिशा में निरंतर सार्थक प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि उपकरणों एवं कृषि तकनीकों को अपनाकर नवाचार के साथ खेती करने से फसलों के उत्पादन में वृद्धि होगी, किसान सशक्त होंगे और देश समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बेहतर कार्य हो रहे हैं। दलहन-तिलहन सहित बागवानी फसलों के लिए भी राज्य में उपयुक्त जलवायु है। इससे फसल परिवर्तन तथा विविधिकरण से किसानों के आय में वृद्धि होगी।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, कृषि सिंचाई योजना, मिशन फॉर आत्मनिर्भरता इन पल्सेस योजना, कृषि उन्नति, प्रधानमंत्री जनधन योजना, बागवानी मिशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को शत-प्रतिशत लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंन पॉम ऑयल और मखाना की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में केन्द्र सरकार की ओर से तत्परता से मिलने वाले सहायोग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को उम्मीद से अधिक मद्द केन्द्र सरकार से मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैठक में केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से राज्य में ग्रामीण विकास एवं कृषि के क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए मिले दिशा-निर्देश से इन क्षेत्रों के विकास को गति मिलेगी।

ताला की विरासत से बिलासपुर और छत्तीसगढ़ को मिली वैश्विक पहचान : अरुण साव

दो वर्षों में 200 करोड़ से अधिक के सड़क कार्य स्वीकृत, शेष सड़कों को तीन साल में पूरा करने का दिया भरोसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने ताला महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि मनियारी नदी के तट पर स्थित ताला गांव की देवरानी-जेठानी मंदिर तथा रुद्र शिव की अद्वितीय प्रतिमा ने न केवल बिलासपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को देश-दुनिया में विशेष पहचान दिलाई है। इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि बीते दो वर्षों में क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के आठ महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ विधायक श्री धरमलाल कौशिक अपने क्षेत्र के विकास को लेकर सदैव चिंतित रहते हैं, इसी कारण यहां अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। जो भी सड़कें अभी शेष हैं, उन्हें भी स्वीकृत कर आगामी तीन वर्षों में पूर्ण किया जाएगा। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रत्येक गारंटी को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार धरातल पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि कल ही महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त जारी की गई है, जिसके तहत सभी पात्र महिलाओं के खातों में एक-एक हजार रुपये जमा किए गए हैं। इससे मेला-मड़ई में महिलाओं की भागीदारी और रौनकता में वृद्धि हुई है।

विधायक धरमलाल कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष से ताला महोत्सव में दिन के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत एक सराहनीय पहल है, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ताला की रुद्र शिव प्रतिमा जैसी मूर्ति विश्व में कहीं और नहीं है, जिसके शरीर और चेहरे पर उकेरी गई विभिन्न जीव-जंतुओं की आकृतियां इसकी अद्वितीय विशेषता हैं। उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रयासों से बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में दो वर्षों में लगभग 200 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं। गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बन रहे हैं, पीने का पानी, चावल और इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड आम जनता को उपलब्ध हो रहा है। क्रेडा के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि क्रेडा की ओर से मंदिर परिसर में 11 लाख रुपये की लागत से दो हाई मास्ट सोलर लाइट स्वीकृत की गई हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष रामकुमार कौशिक और जिला पंचायत सदस्य गोविंद यादव सहित बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के नागरिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थे। लोक कलाकार सुनील सोनी के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर महोत्सव का वातावरण उल्लासपूर्ण बना दिया।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना : सशक्त दाम्पत्य, आत्मनिर्भर जीवन और सम्मान की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संवेदनशील एवं दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों के सामाजिक पुनर्वास, आत्मनिर्भरता और मुख्यधारा में प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना आज जमीनी स्तर पर बदलाव की मजबूत मिसाल बन रही है।

समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित यह योजना दिव्यांग दम्पत्तियों को विवाह के पश्चात् आर्थिक संबल प्रदान कर उनके दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार दे रही है, साथ ही उन्हें आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दे रही है।

इस योजना के अंतर्गत जिला गरियाबंद के छुरा विकासखंड स्थित ग्राम कुटेना, पोस्ट पाण्डुका निवासी कुलेश्वरी निषाद एवं उनके पति लकेश निषाद को लाभान्वित किया गया।

कुलेश्वरी निषाद 45 प्रतिशत अस्थिबाधित तथा लकेश निषाद 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं। योजना के प्रावधान अनुसार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की स्थिति में उन्हें एक लाख रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस सहायता से दम्पत्ति ने अपने दाम्पत्य जीवन को सशक्त बनाया और आज वे किसी पर निर्भर नहीं होकर आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

गरियाबंद जिला के ही विकासखण्ड मैनपुर के ग्राम भाठीगढ़ निवासी 30 वर्षीय श्रीमती विजेश्वरी कोमर्रा, जो 65 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग हैं एवं तहसील छुरा के ग्राम अमलोर निवासी 35 वर्षीय केशर कोमर्रा पति-पत्नि है। दम्पत्ति को योजना के तहत 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने 4.18 करोड़ से अधिक की 26 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नगर पंचायत लखनपुर में 4 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक कीमत के 26 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचेगी। डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

लखनपुर में आयोजित समारोह में अग्रवाल ने सभी 26 परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि ये कार्य क्षेत्र के समग्र उत्थान का आधार बनेंगे और सरगुजा जैसे पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ेंगे। इन परियोजनाओं में सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग, सामुदायिक भवन और पेयजल सुविधाओं का विस्तार शामिल है। कुल 4.18 करोड़ रुपये की लागत से ये कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएंगे, जिससे लखनपुर नगर पंचायत का मूलभूत ढांचा सशक्त होगा। विशेष रूप से ग्रामीणों की लंबे समय की मांगों को ध्यान में रखते हुए ये योजनाएं तैयार की गई हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि विकास की किरण अंतिम छोर तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ का बहुमुखी विकास सुनिश्चित करते हुए हम हर क्षेत्र को समृद्ध बनाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता के लिए निर्देशित किया, तथा जनता से सक्रिय सहयोग की अपील की।

अबूझमाड़ की धरती से देश-दुनिया को दिया जा रहा है अमन और शांति का मजबूत संदेशः मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारायणपुर में अबूझमाड़ पीस हॉफ मैराथन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अबूझमाड़ की पावन धरती से शांति, सद्भाव और विकास का सशक्त संदेश देते हुए आज अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अलसुबह नारायणपुर के हाईस्कूल परिसर के समीप आयोजित हाफ मैराथन सहभागिता की और धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सांकेतिक रूप से स्वयं भी दौड़ लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को प्रदान किए जाने वाले मैडल का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि अबूझमाड़ की धरती से पूरे देश और दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही अबूझमाड़ है, जहाँ कभी आम नागरिकों और जवानों का पहुँचना भी कठिन था, लेकिन आज सकारात्मक वातावरण के कारण हजारों लोग यहाँ एकत्रित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में माओवाद से मुक्ति की दिशा में युवा वर्ग का जोश और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जल्द ही यह क्षेत्र खुशियों से आबाद होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार की नीतियों और नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है और बस्तर लाल आतंक से पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में लगे सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि उन्हीं के बलिदान और समर्पण से आज बस्तर क्षेत्र में शांति और विकास की मजबूत नींव पड़ी है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हाल ही में बस्तर क्षेत्र में 351 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है तथा नए विकास कार्यों की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र पिछले चार दशकों से विकास से वंचित रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और बस्तर में विकास की गंगा निरंतर बहेगी। उन्होंने सम्पूर्ण बस्तर और छत्तीसगढ़ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

उल्लेखनीय है कि यह 21 किलोमीटर लंबी हाफ मैराथन नारायणपुर से बासिंग तक आयोजित की गई, जिसमें देश-विदेश से आए 60 से अधिक विदेशी प्रतिभागियों सहित बस्तर संभाग, प्रदेश एवं अन्य राज्यों के 10 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया।

मैराथन से पूर्व हाईस्कूल परिसर में जुंबा वॉर्मअप कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों प्रतिभागियों ने एक साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

आत्मसर्पित माओवादी बने मैराथन का हिस्सा

इस आयोजन की सबसे विशेष और ऐतिहासिक बात यह रही कि आत्मसमर्पित माओवादी युवाओं ने भी हथियार छोड़कर शांति और मुख्यधारा में लौटने का संदेश देते हुए मैराथन में हिस्सा लिया। नारायणपुर की अबूझमाड़िया जनजाति सहित स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी बनाया।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

25 बैल व एक गाय लदा ट्रेलर जब्त किया

राउरकेला। राउरकेला शनिवार सुबह करीब 3 बजे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सहायता से सदर थाना पुलिस ने सबडेगा रोड के पंच महला के पास एक गाय और बैलों से भरी ट्रेलर को जब्त किया। वाहन क्रमांक यूपी 80 सीटी 5750 में 25 बैल और एक गाय लादकर झारसुगुड़ा क्षेत्र से राजस्थान के जयपुर की ओर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से एस. मोहम्मद (25 वर्ष, जयपुर, राजस्थान) को गिरफ्तार किया है, जबकि वाहन चालक फरार हो गया। सूचना के अनुसार ट्रेलर भस्मा मस्त्रिकानी टोल गेट का एक गेट तोड़कर तेज गति से सुंदरगढ़ की ओर भाग रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने ट्रेलर का पीछा किया और मध्यरात्रि में सबडेगा पंचमहला के पास वाहन को रोकने में मदद की। रोकने के दौरान चालक फरार हो गया, जबकि सहयोगी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

गैरेज में खड़ी स्कॉर्पियो जलकर राख, पुलिस जांच में जुटी

पत्थलगांव। शहर के जशपुर रोड स्थित पुरन तालाब के पास शुक्रवार रात कुछ शरारती तत्वों ने गैरेज में खड़ी स्कॉर्पियो वाहन में आग लगा दी। प्रेमनगर निवासी रमेश ठाकुर की स्कॉर्पियो (ओ डी -17-के -5866) मरम्मत के लिए गैरेज में खड़ी थी। आग इतनी तेज थी कि वाहन पूरी तरह जलकर गई। पास खड़े ट्रक का एक टायर जल गया, लेकिन समय पर सूचना मिलने से वह पूरी तरह जलने से बच गया। स्थानीय लोगों और गैरेज संचालक की सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह घटना आपसी रंजिश या साजिशन आगजनी लग रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। स्थानीय लोग दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

हाथियों ने दो मकान को तोड़ा और राशन खा गए

जशपुरनगर। पत्थलगांव वन परिक्षेत्र के ग्रामीणों के लिए रातें अब खौफ का पर्याय बन चुकी हैं। हाथियों ने दो ग्रामीणों के घरों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया और घर में रखा सालभर का राशन चट कर गए। शेखरपुर में बुधवार रात जब ग्रामीण गहरी नींद में थे, तभी हाथियों ने बस्ती में प्रवेश किया। यहां रहने वाले कुंदराम पिता नानसाय के घर को हाथियों ने निशाना बनाया। परिजनों ने अंधेरे में ही भागकर अपनी जान बचाई। ठीक इसी तरह डूमरबहार में हाथियों ने एक और मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथियों ने न केवल घर तोड़े, बल्कि अंदर रखा अनाज और अन्य खाद्य सामग्रियों को भी नुकसान पहुंचाया। जिससे किसान आर्थिक मार झेल रहे हैं। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है। नुकसान के बाद वन अमले ने हाथियों को खदेड़ने का प्रयास किया है।

रायपुर में ई-व्हीकल एजेंसी दिलाने के बहाने 42.50 लाख की ठगी

पड़ोसी ने कारोबारी बनाने का झांसा देकर लिए पैसे, शिकायत पर एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के बूढ़ापारा इलाके में ई-व्हीकल की एजेंसी दिलाने के नाम पर 42.50 लाख रुपए की ठगी की गई है। कोतवाली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि, बूढ़ापारा निवासी पीड़ित रूपेश कुमार सोनी 2023 में कारोबार करने के लिए ई-व्हीकल एजेंसी तलाश रहा था। उनके पड़ोस में रहने वाले पंकज कुमार जैन (कोचर) ने उन्हें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन की एजेंसी दिलाने का प्रस्ताव दिया। सहमति बनने पर पंकज जैन ने रूपेश की मुलाकात सागर प्रकाश शिल्के से कराई। सागर ने खुद को इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी का डिस्ट्रीब्यूटर बताते हुए एजेंसी दिलाने का भरोसा दिलाया।

आरोप है कि, दोनों आरोपियों ने एक राय होकर व्यवसाय शुरू कराने के नाम पर 22 मई 2023 से 12 अक्टूबर 2023 के बीच रूपेश से उसके दो बैंकों के चेकों के जरिए कुल 42 लाख 50 हजार रुपए ले लिए। रकम लेने के बाद आरोपियों ने शो-रूम के लिए जगह तलाशने को कहा। उनके कहने पर रूपेश ने संतोषीनगर, पुराना धमतरी रोड पर 30 हजार रुपए मासिक किराए पर दुकान ली और इलेक्ट्रिक वाहन शो-रूम तैयार कराया, जिस पर अलग से लाखों रुपए खर्च किए गए। लगातार दबाव बनाने पर आरोपियों ने करीब दो साल बाद केवल 14.50 लाख रुपए किश्तों में लौटाए। बाकी पैसे वाहन प्रमोशन में खर्च होने की बात कही। इसके बावजूद एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद न तो एजेंसी दी गई और न ही वाहनों की सप्लाई हुई।

शक होने पर रूपेश ने सागर प्रकाश शिल्के के बताए गए पते पर जाकर संपर्क किया, जो फर्जी निकला। इसके बाद पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आगे की जांच शुरू कर दी है। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारियों का कहना है कि, मामले में जांच की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का नशे के खिलाफ अभियान

दो महिलाएं और दो पुरुष खुलेआम गांजा बेचते गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं, जिन्हें सार्वजनिक स्थानों पर गांजा बेचते हुए पकड़ा गया। यह कार्रवाई दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई है और सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सिविल लाइन और सिरगिट्टी थाना पुलिस ने गांजा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई की।

सिविल लाइन थाना क्षेत्र की मिनी बस्ती से केजा बाई (55) के पास से 200 ग्राम गांजा और जाहिरन बी (58) के पास से 220 ग्राम गांजा जब्त किया गया। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में राजू दास मानिकपुरी (55) से 570 ग्राम गांजा और यादव नगर, तिफरा निवासी मन्नू यादव (26) के पास से 593 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस प्रशासन ने दावा किया है कि नशे के कारोबार से जुड़े मुख्य सप्लायरों तक पहुंचने और उन्हें गिरफ्तार करने की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रायपुर में सब-इंजीनियर और रिटायर्ड-सीएमओ को 3 साल की जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में एक सब इंजीनियर और रिटायर्ड सीएमओ को 3 साल की जेल हुई है। दोनों आरोपियों ने एक ठेकेदार से काम के भुगतान के बदले 4 लाख रुपए घूस की मांग की थी। ठेकेदार ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो से की थी। जिसके बाद एंटी करप्शन ब्यूरो ने 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।

मामला 2018-19 अभनपुर नगर पंचायत का है। तत्कालीन सीएमओ अनिल शर्मा और उप अभियंता सुरेश कुमार गुप्ता ने जेपी कंस्ट्रक्शन के संचालक जयप्रकाश गिलहरे से 33 लाख का भुगतान करने के एवज में 4 लाख रिश्वत मांगी थी।

ठेकेदार ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर में की। इसके बाद ठेकेदार रिश्वत के 2 लाख रुपए की पहली किश्त देने पहुंचा। इस दौरान एसीबी की टीम पहले ही जाल बिछा चुकी थी।

रंगे हाथ पकड़ाए थे अधिकारी

पुष्टि के लिए आरोपियों की आवाज टेप करवाई गई। रिकार्डिंग सुनने के बाद ACB की टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए रवाना हुई। उन्होंने बताया कि वे पैसे लेकर आए हैं। सीएमओ ने उनसे कहा कि वे पैसे उसी कक्ष में बैठे उप अभियंता गुप्ता को दे दें। बिल्डर ने जैसे ही पैसों का पैकेट दिया, उसी समय एसीबी की टीम वहां पहुंच गई। उन्होंने अफसरों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

एसीबी की पड़ताल में पता चला है कि, जेपी कंस्ट्रक्शन ने अभनपुर में 55 लाख की लागत से पुष्प वाटिका का निर्माण करवाया था। करीब 20 लाख का पेमेंट उन्हें हो चुका है। बाकी 33 लाख के लिए आरोपी उन्हें चक्कर कटवा रहे थे। उन्होंने पूरा पेमेंट करवाने के लिए कमीशन के तौर पर 4 लाख की मांग की थी। इस मामले में विशेष न्यायाधीश रायपुर ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोनों आरोपी सुरेश गुप्ता निवासी सुंदर नगर रायपुर और अनिल शर्मा निवासी सुंदर नगर रायपुर को तीन-तीन साल की सश्रम कारावास और 50 हजार रुपए अर्थदंड लगाया है।

8 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ महिला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुरनगर लोदाम पुलिस ने ग्राम साईंटांगरटोली में एक महिला के घर पर दबिश देकर उसके पास से 8.04 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया है। डीआईजी डॉ लाल उमेद सिंह को मुखबिर ने महिला द्वारा ब्राउन शुगर बेचे जाने की सूचना दी थी। सूचना के आधार पर लोदाम थाना पुलिस ने साईंटांगरटोली ईदगाहपारा निवासी आफरीन खातून के घर पर दबिश दी। गवाहों की उपस्थिति में घर की तलाशी लेने पर परछी में छिपाकर रखे प्लास्टिक पन्नी के पैकेट में छोटे-छोटे कुल 18 पुड़िया में रखी ब्राउन शुगर बरामद की गई। जब्त नशीले पदार्थ का कुल वजन 8.04 ग्राम और अनुमानित कीमत लगभग 10,800 रुपए बताई गई है। पुलिस ने महिला कर्मचारी की उपस्थिति में आरोपिया को अभिरक्षा में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपिया ने बताया कि उक्त ब्राउन शुगर उसे उसके पति ने बिक्री के लिए दी थी। आरोपी का पति पिछले माह से अन्य प्रकरण में जेल में निरुद्ध है। महिला के खिलाफ 21(ए) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

बेटे ने दोस्त संग मिलकर बेची मां की जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की रहने वाली एक महिला ने अपने ही बेटे और उसके दोस्त पर धोखाधड़ी कर जमीन-मकान बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता मनोरमा भिवंडे निवासी अमर चौक शर्मा बाड़ा राजातालाब रायपुर ने बताया कि अमलेश्वर स्थित प्रीति विहार के सामने उनके नाम पर 1420 वर्गफीट की जमीन है, जिस पर उन्होंने मकान का निर्माण कराया है। पैसों की आवश्यकता होने पर उन्होंने अपने बड़े बेटे प्रवीण भिवंडे और उसके दोस्त पारस प्रसाद केसरी को केवल लोन निकलवाने के उद्देश्य से ऋण पुस्तिका और रजिस्ट्री के कागजात दिए थे। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि फोटो कॉपी कराकर दस्तावेज लौटा दिए जाएं। मामला दुर्ग जिले के अमलेश्वर थाना इलाके का है।

मकान में चल रहा था निर्माण कार्य तो मिली जानकारी

महिला का आरोप है कि उनके बेटे और उसके दोस्त ने आपसी मिलीभगत से उनकी

अनुपस्थिति और बिना जानकारी के उस जमीन और मकान को विभोर गुप्ता नाम के व्यक्ति को फर्जी तरीके से बेच दिया। इस पूरे मामले की जानकारी उन्हें 16 जनवरी 2026 को मिली, जब उन्होंने देखा कि मकान में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके बाद इस पूरे मामले की जानकारी हुई।

एक ही संपत्ति को दो लोगों को बेचने लिए एडवांस

17 जनवरी को जब मनोरमा भिवंडे अपने बच्चों के साथ अमलेश्वर स्थित मकान पहुंचीं, तो वहां निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों और विभोर गुप्ता से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। बताया गया कि प्रवीण भिवंडे और पारस प्रसाद केसरी ने 17 लाख रुपए में इकारारनामा कर 5.50 लाख रुपए कैश एडवांस लिए हैं। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति ने दावा किया कि उसी संपत्ति का सौदा संजना पाण्डेय से 18 लाख रुपए में तय कर 7.50 लाख रुपए लिए गए हैं। पीड़िता का कहना है कि 7.50 लाख रुपए उनके बैंक ऑफबड़ौदा खाते में आए थे, जिसे बेटे ने यह कहकर निकलवा लिया कि यह किसी मित्र की रकम है और इसमें से उन्हें कमीशन मिलेगा।

बाद में उन्हें समझ आया कि यह रकम संपत्ति के सौदे से जुड़ी थी। महिला ने आरोप लगाया कि, उनके नाम से दो फर्जी इकारारनामा और एक पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई गई है, जबकि उन्होंने किसी भी नोटरी के सामने हस्ताक्षर नहीं किए और न ही किसी प्रकार की रकम प्राप्त की। पीड़िता ने पुलिस से भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा के गैंग ने रेकी कर कारोबारी का घर चुना, चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। शहर के सन सिटी इलाके में रहने वाले एक जूता कारोबारी के मकान में हुई लाखों रुपए की चोरी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। वारदात के महज 24 घंटे के भीतर चोरी को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय चोर गिरोह को पकड़ लिया गया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चोरी के पीछे हरियाणा के एक शातिर गिरोह का हाथ था। बताया जा रहा है कि गिरोह के सदस्य पहले भिलाई पहुंचे थे, जहां कुछ समय रुकने के बाद वे जगदलपुर आए। यहां उन्होंने अलग-अलग इलाकों में कई मकानों की रैकी की। सन सिटी कॉलोनी में स्थित जूता कारोबारी का मकान कॉलोनी के आखिरी छोर पर होने और पीछे की ओर दूसरा मकान नहीं होने के कारण चोरों को आसान लगा। साथ ही मकान के पीछे की तरफ एक अतिरिक्त दरवाजा होने से चोरी को अंजाम देना उनके लिए सुविधाजनक हो गया।

सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद आरोपियों की तलाश में जिले के विभिन्न थानों की टीमों, साइबर सेल, डीएसपी स्तर के अधिकारियों की अगुवाई में कई टीमें गठित की गई थीं। फारेंसिक टीम की भी मदद ली गई। पूरे मामले की मॉनिटरिंग खुद एसपी शलभ सिन्हा कर रहे थे, जिसके चलते पुलिस को इतनी जल्दी सफलता मिली। हालांकि इस मामले में पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सड़क किनारे बोरे में मिला नवजात

सूरजपुर। जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ओडगी थाना क्षेत्र के बैजनाथपुर गांव में जंगल के रास्ते सड़क किनारे एक दिन का नवजात शिशु बोरे में बंद और कंबल में लिपटा हुआ मिला। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर वहां से गुजर रहे ग्रामीण रुक गए और मामले की जानकारी मिलने पर तुरंत बच्चे को बचाया गया। ग्रामीणों ने नवजात को भैयाथान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्चा लड़का है और उसकी हालत स्थिर है। प्राथमिक उपचार के बाद एहतियातन उसे सूरजपुर स्थित जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी सक्रिय हो गई है और नवजात को इस हालत में छोड़ने वालों की तलाश की जा रही है। वहीं, बच्चे की हालत फिलहाल सुरक्षित बताई जा रही है।

बोल्डर पत्थर लोड पकड़ाई दो ट्रैक्टर

बिना रायल्टी अवैध परिवहन कर रहे थे, रायगढ़ में खफाने से पहले पकड़ा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में अवैध उत्खनन का खेल जारी है। जहां उड़नदस्ता टीम ने बोल्डर पत्थर से भरे दो ट्रैक्टर को अवैध परिवहन करते पकड़ा है। साथ ही वाहन चालकों के खिलाफ पीओआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामला रायगढ़ वन परिक्षेत्र का है।

रायगढ़ वन मंडलाधिकारी को मुखबिर से सूचना मिली कि शनिवार को दो ट्रैक्टर अवैध बोल्डर परिवहन किया जाएगा। जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने उड़न दस्ता व वनकर्मियों की टीम गठित किया गया।

छातामुड़ा चौक के पास टीम ने जांच शुरू की। तभी दो ट्रैक्टर को आते देखा गया और उन्हें रोकने पर ट्रैक्टर में अवैध पत्थर लोड मिला। जिससे संबंधित दस्तावेज मांगने पर उनके पास कोई रायल्टी व अन्य वैध दस्तावेज नहीं मिला।

पूछताछ में ट्रैक्टरो चालकों ने अपना नाम बोतल्दा निवासी कन्हैया सारथी 20 साल व नीरज कुमार कवंर 35 साल बताया। ऐसे में दोनों ट्रैक्टर को जब्त कर बेलादुला फारेस्ट डीपो लाया गया।

बताया जा रहा है कि अवैध बोल्डर पत्थर खरसिया वन सीमा का हो सकता है। फिलहाल मामले में उड़न दस्ता के द्वारा आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दोनों ट्रैक्टर को जब्त कर फारेस्ट डीपो लाकर आगे की कार्रवाई की जा रही है

लगातार रख रहे निगरानी

रेंजर संजय लकड़ा ने बताया कि नाईट पेट्रोलिंग के द्वारा मुखबिर से सूचना मिली थी। जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। इसके अलावा वन भूमि से अवैध उत्खनन पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मामले में पूछताछ की जा रही है कि अवैध पत्थर को कहां ले जाया जा रहा था। आगे की कार्रवाई जारी है।

नौकरी लगाने फार्मासिस्ट ने ठगे 10 लाख

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले के एक शख्स से उसकी बेटी और भांजे की अधीक्षक की नौकरी लगाने के नाम पर 10 लाख रुपए की ठगी हुई है। आरोपी खुद फार्मासिस्ट है। उसने पीड़ित को बताया था कि उसके जीजा व्यापम में अधिकारी हैं। नौकरी लगवा देंगे। अब पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मामले की शिकायत 29 जनवरी 2026 को बोधघाट थाने में दर्ज की गई थी। जगदलपुर कुम्हारपारा के रहने वाले पीड़ित अनंत राम कश्यप ने पुलिस को बताया कि आरोपी प्रमोद सिंह भार्गव (43) से इसकी जान पहचान थी। ये बजरंगपुर नवागांव जिला राजनांदगांव का रहने वाला है। वर्तमान में कोंडागांव जिले के ग्राम बड़े करेंगा में फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ था। आरोपी ने खुद को प्रभावशाली बताकर और अपने जीजा को व्यापम अधिकारी बताते हुए उसकी बेटी और भांजी को आश्रम अधीक्षक के पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। इसके एवज में आरोपी ने किस्तों में 10 लाख रुपए ले लिए। बाद में जब न नौकरी लगी और न ही रुपए वापस किए गए, तब ठगी का खुलासा हुआ। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कोंडागांव से हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार किया, साथ ही पुलिस को पर्याप्त साक्ष्य भी मिले। इसके बाद 31 जनवरी 2026 को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया गया है।

नाम परिवर्तन

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आरजू मौर्या पति गोपाल सक्सेना, निवासी म.नं. 9/14, पं. दीनदयाल उपाध्याय मार्केट, प्लांट रोड, वार्ड-51, खुर्सीपार भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490011 की हूं, जो यह शपथ करती हूं कि मैने अपना पुराना नाम बदलकर नया नाम आरजू मौर्या रख ली हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम आरजू मौर्या पति गोपाल सक्सेना से ही जाना, पहचाना एवं पुकारा जावे।

आरजू मौर्या
म.नं. 9/14, पं. दीनदयाल उपाध्याय मार्केट, प्लांट रोड, वार्ड-51, खुर्सीपार भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) 490011

शेयर में रकम दोगुनी करने का झांसा, ठगी

राजनांदगांव। शेयर मार्केट में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 15 लाख की ठगी करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि प्रार्थी ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। रायपुर निवासी आरोपी प्रकाश सिन्हा उसे एक साल में रकम दोगुनी करने का झांसा दिया। उसे शेयर मार्केट में रुपए निवेश करने की जानकारी दी।

इसके बाद अलग-अलग तारीख को प्रार्थी ने कुल 15 लाख रुपए आरोपी के खाते में ट्रांसफर कर दिए। लेकिन उसे कोई भी रकम वापस नहीं मिली। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्रमुख खबरें

स्वच्छता संकल्प रिकार्ड बनाने 6 फरवरी को होगा जमावड़ा

कोरबा। महासंकल्प 2026 के तहत 01 घंटे की समयसीमा में स्वच्छता शपथ के एक ही बैनर पर 8000 लोगों द्वारा हस्ताक्षर कर गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड कायम करने हेतु 6 फरवरी हमारा कोरबा घंटाघर से रविशंकर नगर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जुटेगा तथा प्रबल संकल्प शक्ति का परिचय देते हुए गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकार्ड को अपनी झोली में डालेगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत व महापौर संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देशन में यह तैयारी की गई है।

रायपुर में 13 साल बाद राष्ट्रीय फेडरेशन वॉलीबॉल की वापसी

रायपुर। 18 साल बाद 37वीं राष्ट्रीय फेडरेशन वॉलीबॉल चैंपियनशिप रायपुर में होने जा रहा है। इस अहम टूर्नामेंट में देश की नामी टीमें मैदान में उतरेंगी। इंडियन रेलवे, इंडियन यूनिवर्सिटी और भारतीय सेना जैसी मजबूत टीमों की मौजूदगी मुकाबलों को रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भर देगी। दर्शकों को तेज रफ्तार और तकनीकी कौशल से भरपूर मैच देखने को मिलेंगे। प्रतियोगिता का प्रसारण वैश्विक स्तर पर किया जाएगा। इससे रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर पहचान मिलेगी।

खरीफ विपणन वर्ष में धमतरी धान खरीदी में टॉप पर

धमतरी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन में धमतरी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता जिले में किसानों के हित में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में तैयार की गई सुनियोजित, पारदर्शी एवं किसान-अनुकूल धान खरीदी व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष परिणाम है। जिले में संचालित 100 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 1,29,593 कृषकों का पंजीयन किया गया जिनका कुल रकबा 1,27,113.83 हेक्टेयर था। 95.74 प्रतिशत किसानों से धान खरीदी पूर्ण की जा चुकी है, जो राज्य में सर्वाधिक है। इसके साथ ही धमतरी जिला प्रदेश में किसानों से सर्वाधिक धान खरीदी करने वाला जिला बना।

'परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय' के बच्चों से मिलकर मुख्यमंत्री साय अभिभूत, पूरी कर दी मांग

हनुमान चालीसा और बस्तर के आंचलिक गीतों से बच्चों ने जीता दिल, सर्वांगीण विकास के लिए यहां उठाए जाते हैं हर संभव कदम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नारायणपुर जिले के गरांजी स्थित परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय में अचानक छात्रों के बीच पहुंचे। छात्र रंजीत बड्डे सहित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा स्वागत गीत, हनुमान चालीसा एवं बस्तर अंचल के पारंपरिक गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय को एक बस उपलब्ध कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं अच्छी हैं, उनका पूरा लाभ लेकर सभी अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं।

उन्होंने बच्चों को आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया और कहा कि किसी भी प्रकार की शारीरिक कमी से निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों पर ईश्वर का विशेष आशीर्वाद होता है।

बच्चों ने जब उनसे पूछा कि उन्हें विद्यालय आकर कैसा लगा, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। एक बच्ची के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने बताया कि बचपन में उन्हें पिट्ठू, फुटबॉल जैसे खेल खेलना बहुत पसंद था।

मुख्यमंत्री ने संस्था के सभी बच्चों को चॉकलेट वितरित कर आशीर्वाद दिया। दिव्यांग बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मुख्यमंत्री श्री साय सहित राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, बस्तर सांसद महेश कश्यप, अन्य जनप्रतिनिधियों, मुख्यमंत्री सचिव राहुल भगत, कमिश्नर डोमन सिंह एवं आईजी सुंदरराज पी. ने सराहना की।

परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय 11 सितंबर 2023 को शुरू किया गया था। इसका संचालन जिला खनिज न्यास निधि से किया जा रहा है। विद्यालय का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे उनका आत्मविश्वास सुदृढ़ हो और वे समाज में अपनी भूमिका प्रभावी रूप से निभा सकें। यह विद्यालय सामान्य और दिव्यांग बच्चों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। वर्तमान में विद्यालय में कुल 60 बच्चे अध्ययनरत हैं। विद्यालय में आडियोलॉजी, फिजियोथेरेपी, विशेष शिक्षा संगीत शिक्षा, खेलकूद, योग एवं व्यायाम, तथा कंप्यूटर शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

नारायणपुर अंचल में अमन, आजीविका व सहभागिता बढ़ाने पर फोकस : साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अबूझमाड़ क्षेत्र में आयोजित पीस हाफ मैराथन के शुभारंभ के साथ-साथ अनेक सामाजिक, खेल और पर्यटन गतिविधियों में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में शांति स्थापना, आजीविका संवर्धन और स्थानीय सहभागिता को बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया, उन्हें प्रोत्साहित किया तथा लोगों से संवाद कर सहभागिता और विश्वास को और मजबूत किया।

श्री साय ने छत्तीसगढ़ राइडिंग क्लब के 40 बाइकर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बाइकर्स समूह नारायणपुर के सुदूर पर्यटन स्थल कच्चापाल तक की यात्रा करेगा। इस पहल के माध्यम से अबूझमाड़ को जानने, समझने और शांति का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

बिंजली गाँव शांत सरोवर में मुख्यमंत्री ने वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद बस्तर महेश कश्यप एवं लघु वनोपज के अध्यक्ष रूपसाय सलाम के साथ नौका विहार का आनंद लिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बिंजली में कार्यक्रम के दौरान तीरंदाजी के खिलाड़ियों से मुलाकात की और स्वयं तीर-धनुष उठाकर लक्ष्य साधते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की पारंपरिक दक्षताओं को आधुनिक प्रशिक्षण से जोड़कर राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा, उच्च शिक्षा में धन की बाधा नहीं आएगी : साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम परिसर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा है। उन्होंने कहा कि अशिक्षित व्यक्ति शोषण का शिकार होता है, जबकि शिक्षित व्यक्ति अपने विवेक का उपयोग कर निरंतर आगे बढ़ता है। विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि यह समय अध्ययन का है। उच्च शिक्षा में आर्थिक स्थिति कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। छत्तीसगढ़ सरकार विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उच्च शिक्षा के लिए ऋण की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नालंदा परिसर का संचालन किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950